



संक्षिप्त

समाचार

महाराष्ट्र में पटाखे पूरे साल बैन, बनाने-बेचने पर रोक नहीं

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को सार्वजनिक सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ने पर लगी रोक पूरे साल लागू कर दी। यह रोक नवरात्रि, दीवाली, क्रिसमस और अन्य सभी त्योहारों पर लागू होगी। आदेश



पूरे महाराष्ट्र में त्योहारों के जुलूसों के दौरान शोर और वायु प्रदूषण रोकने के लिए दिया गया है। जस्टिस गिरीश एस. कुलकर्णी और जस्टिस नीला के. गोकले की खंडपीठ ने यह निर्देश दिया। बेंच ने कहा, जब तक नागरिक हालात की जरूरत को नहीं समझेंगे और शहरों में रहने के लंबे समय के खतरों के प्रति जागरूक नहीं होंगे, तब तक हालात बिगड़ते रहेंगे। ऐसे शहर गैस चेंबर में बदल सकते हैं।

टिवशा डेथ केस में सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल में ट्रायल रोका

एमपी हाईकोर्ट में सास गिरिबाला की जमानत पर अब 26 अक्टूबर को सुनवाई



भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के चर्चित टिवशा शर्मा डेथ केस में सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल के सेशन कोर्ट में चल रहे ट्रायल पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई दिल्ली ट्रांसफर करने की याचिका पर विपक्षी पक्ष को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। शीर्ष अदालत ने मुकदमे को दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका पर सीबीआई, लिप्ता के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश सुर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्य बागची की पीठ ने यह आदेश लिप्ता के पिता नवनीध शर्मा की याचिका पर दिया।

संसद का स्पेशल सेशन बुलाने की है तैयारी!

मोदी सरकार इसी महीने बुला सकती है सत्र, विरोध में है विपक्ष

लोकसभा सीटें बढ़ाने और परिसीमन बिल पेश करने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर जारी विरोध के बीच सरकार इस महीने के आखिर में संसद का एक विशेष सत्र बुला सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संसद के इस विशेष सत्र को बुलाने के पीछे की वजह परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े बिलों को फिर से संसद के सामने पेश करके पास कराना है। सदन में मौजूद सांसदों की संख्या को लेकर सरकार को पूरा भरोसा है कि इस बार महिला आरक्षण बिल और परिसीमन बिल को पास कराया जा सकता है। बजट सत्र के दौरान 17 अप्रैल को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण लागू करने के लिए लाया गया संविधान संशोधन बिल (जिसमें परिसीमन भी शामिल था) निचले सदन में पास नहीं हो सका था।



बिल पास कराने के लिए सरकार का नंबर गेम

संविधान संशोधन के लिए संसद में बहुमत की जरूरत होती है। इसका मतलब है कि दोनों सदनों में मौजूद और वोट देने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत होना चाहिए। सरकार को ये बिल पास कराने के लिए 360 सीटों की जरूरत है। लोकसभा की मौजूदा संख्या 540 है। तृणमूल और शिवसेना के सांसदों के सत्ता पक्ष में शामिल होने से इस बार सदन में स्थिति बदल सकती है। मौजूदा संसद में एनडीए के पास बहुमत तो है, लेकिन उनके पास वह जादुई आंकड़ा (दो-तिहाई बहुमत) नहीं है। हालांकि, पिछले सत्र के मुकाबले सरकार की स्थिति बेहतर हुई है। तृणमूल के 20 सांसद और शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसद सत्ता पक्ष में शामिल हो गए हैं।

11 दिसंबर को कनाडा जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

ट्रेड डील पर होगी बातचीत, कारोबार बढ़ाने के नियम तय होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 से 12 दिसंबर को कनाडा के दौर पर रहेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर बातचीत होगी। भारत-कनाडा व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना भी है। इसके तहत दो देश व्यापार, निवेश और कारोबार बढ़ाने के लिए नियम तय करते हैं। भारत और कनाडा 2030 तक आपसी कारोबार को बढ़ाकर सालाना 7 लाख करोड़ रुपए करना चाहते हैं।



पीएम मोदी ने मार्क कार्नी से फोन पर बात की थी प्रधानमंत्री मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच 13 अक्टूबर को फोन पर बातचीत हुई। मोदी ने इसे अच्छी बातचीत बताया। दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, सुरक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर सहमति जताई।

सचिन पायलट ने बताया दिया क्या है पार्टी का प्लान

पंजाब में बिना सीएम फेस के चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने जीत का दावा किया है। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने कहा है कि राज्य में अगली सरकार 100 प्रतिशत कांग्रेस की बनेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि जनता बदलाव चाहती है और पार्टी के पास चुनाव जीतने के लिए मजबूत टीम है। पायलट ने पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष परगट सिंह को 'सबको साथ लेकर चलने वाला कप्तान' बताते हुए कहा कि पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर चुनाव लड़ेंगे। पायलट ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पंजाब में मुख्यमंत्री पद के लिए किसी एक चेहरे को आगे करके चुनाव नहीं लड़ेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी को जनता का जनादेश मिलने के बाद कार्यकर्ताओं, नेताओं और विधायकों की राय सुनी जाएगी। इसके बाद ही तय किया जाएगा कि राज्य का नेतृत्व कौन करेगा। पायलट ने कहा कि जब कांग्रेस विपक्ष में होती है, तो नेता प्रतिपक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता मिलकर चुनाव की तैयारी करते हैं।



मेरठ सांप कांड में रविता और अमरदीप को फांसी

पति का गला घोटने के बाद बिस्तर पर छोड़ दिया था सांप मेरठ कोर्ट ने तीन दिन में 4 दोषियों को मौत की सजा दी

मेरठ (एजेंसी)। अपने पति की गला दबाकर हत्या करने वाली रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पहले पति अमित कश्यप का गला दबाकर उसकी जान ली और इसके बाद इस हत्याकांड को हदसा दिखाने के लिए उसके बिस्तर पर सांप छोड़ दिया। हालांकि, पोस्टमार्टम



रिपोर्ट ने रविता और उसके प्रेमी अमरदीप के झूठ का पर्दाफाश कर दिया। 12 अप्रैल 2025 की इस घटना में अखिरकार आज इंसाफ हो गया। मेरठ के एंडीजे 12 जयवीर सिंह नागर की कोर्ट ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। आरोपी रविता और अमरदीप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जेल से जुड़े थे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुना और आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई।

12 अप्रैल 2025 को हत्या की थी

मेरठ के बहसुमा क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव में 12 अप्रैल 2025 की रात को अमित कश्यप की हत्या कर दी गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने पत्नी को हिरासत में लेकर पृथक्छा की तो सारा मामला सामने आ गया। पुलिस ने पति अमित की हत्या में पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। 7 अक्टूबर को कोर्ट ने रविता और अमरदीप को दोषी कर दिया था। आज कोर्ट ने दोनों को सजा सुनाई है। पुलिस को जांच के दौरान हत्या वाले दिन पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप के बीच 50 से ज्यादा बार बातचीत की कॉल डिटेल मिली थी। इसी के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई, तो हत्या की सारी सच्चाई सामने आ गई थी। बता दें कि इससे पहले 14 अक्टूबर को कोर्ट ने सौरभ हत्याकांड में मुश्कान और उसके प्रेमी साहिल को भी फांसी की सजा सुनाई थी।



‘सुदर्शन सेतु’ के बाद अब ‘बेट-द्वारका कॉरिडोर’ पर फोकस

गुजरात सरकार का मास्टरप्लान तैयार, इको-टूरिज्म केंद्र बनाने की योजना

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात सरकार ने बेट द्वारका कॉरिडोर बनाने की योजना पर काम कर रही है। सरकार ने विश्व स्तरीय आध्यात्मिक और इको-टूरिज्म केंद्र में बदलने के लिए एक व्यापक पुनर्विकास योजना शुरू की है। गुजरात में काशी विश्वनाथ और उज्जैन महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर काम करने की योजना है। इस परियोजना का उद्देश्य उन लाखों तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं को आधुनिक बनाना है, जो द्वारका आते हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धालुओं



की बढ़ती संख्या को देखते हुए, राज्य के राजस्व विभाग ने 31 सर्वे नंबरों के अंतर्गत एक हेक्टेयर से अधिक भूमि का अधिग्रहण करने के लिए एक

आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। द्वारका के डिप्टी कलेक्टर को भूमि खाली कराने और कानूनी प्रक्रियाओं में तेजी लाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पहले बनाया गया

सुदर्शन सेतु

द्वारका कॉरिडोर प्रोजेक्ट हाल ही में उद्घाटन किए गए सुदर्शन सेतु के बाद शुरू किया गया है। यह भारत का सबसे लंबा केबल-स्टे ब्रिज है, जो ओखा (मुख्य भूमि) को बेट द्वारका से जोड़ता है। केबल-स्टे ब्रिज को करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इस पुल के फुटपाथों को श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों और भगवान कृष्ण के चित्रों से सजाया गया है। इस पुल का इस्तेमाल हर मीस में 24 घंटे किया जा सकता है।

पहला देसी बहुउद्देशीय पोत ‘समर्थक’ नौसेना में शामिल

स्वदेशी हथियारों से लैस यह पोत करेगा समुद्र की निगहबानी

करवार (एजेंसी)। भारत की निजी पोत निर्माण कंपनी द्वारा निर्मित पहले बहुउद्देशीय पोत समर्थक को शुक्रवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इसे युद्धपोत निर्माण में घरेलू उद्योग की भूमिका बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। करवार स्थित नौसैन्य अड्डे पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की मौजूदगी में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि पोत का निर्माण लार्सन एंड टुब्रो (एलएण्टी) ने तमिलनाडु के कटपुल्ली स्थित अपने पोत निर्माण केंद्र किया है और इस पोत में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इस अवसर पर कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड भी मौजूद थे।



गाजियाबाद में सीएम योगी का सपा पर हमला, कहा इन्होंने गिरगिट की तरह बदला रंग,टिकट बेचने का किया काम

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में आयोजित शिक्षक-स्नातक सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को खसना स्थित सुंदरदीप कॉलेज में



विधान परिषद चुनाव के मतदाताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उसके शासनकाल में दंगों, कर्फ्यू और बयल सड़कों का मुद्दा उठाया। सीएम योगी ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में सुरक्षा, धार्मिक आयोजनों, बुनियादी ढांचे और शिक्षा के क्षेत्र में हुए कार्यों का जिक्र किया।

प्रदेश को जेवर एयरपोर्ट की सौगात मिली

उन्होंने कहा कि सहारनपुर में मां शाकुन्भरी कॉरिडोर का काम चल रहा है। पहले दर्शन के दौरान पानी आने से श्रद्धालुओं को परेशानी होती थी। अब वहां एलिफेंट ड मार्ग बनाया जा रहा है, जिससे श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर सकेंगे। सीएम योगी ने एक्सप्रेसवे के लिए धनराशि रोक दी थी, जबकि भाजपा सरकार ने इन परियोजनाओं के काम को आगे बढ़ाया।



देहरादून। उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य और उनके पति गिरधारी लाल साहू उर्फ पप्पू के बीच विवाद अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गया है। मंत्री की ओर से पति पर गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद गिरधारी लाल साहू ने भी वीडियो जारी कर अपना पक्ष रखा है। उनके वीडियो और बयानों के सामने आने के बाद प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में इस मामले को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सड़क से उठाकर मंत्री बनवाया

गिरधारी लाल साहू ने अपने वीडियो में रेखा आर्य को लेकर कहा कि उन्होंने उन्हें सड़क से उठाकर मंत्री बनवाया। उन्होंने मंत्री पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए 210 करोड़ रुपये का साम्राज्य खड़ा करने का दावा भी किया। साहू ने कहा कि वह जल्द ही पूरे मामले की कलई खोलेंगे।

हालांकि, 210 करोड़ रुपये के कथित साम्राज्य और भ्रष्टाचार से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इन दावों को फिलहाल गिरधारी लाल साहू के आरोपों के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

मंत्री की शिकायत के बाद बढ़ा विवाद

इससे पहले रेखा आर्य ने अपने पति गिरधारी लाल साहू के खिलाफ देहरादून के कैंट थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। मंत्री ने अपनी शिकायत में उत्पीड़न, मारपीट, कथित जालसाजी और जान से मारने की साजिश जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस में दर्ज शिकायत के बाद यह पारिवारिक विवाद राजनीतिक और सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गया है।

पति ने भी रेखा अपना पक्ष

रेखा आर्या प्रकरण: उत्तराखंड महिला आयोग ने लिया संज्ञान



देहरादून। अध्यक्ष ने की मंत्री से मुलाकातकैबिनेट मंत्री रेखा आर्या से जुड़े कथित पारिवारिक विवाद, मानसिक प्रताड़ना और वायरल वीडियो प्रकरण का उत्तराखंड राज्य महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने पुलिस प्रशासन को पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी

गिरधारी लाल साहू के वीडियो के सामने आने के बाद मामले में दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप चर्चा में हैं। साहू ने अपने बयान में मंत्री पर आरोप लगाए हैं और

और समयबद्ध जांच करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जांच में जो भी दोष पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी इसी त्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने अस्पताल पहुंचकर अस्पताल में भर्ती मंत्री रेखा से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने डॉ. गीता खन्ना सहित उपचार कर रहे अन्य चिकित्सकों से भी मंत्री की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही चिकित्सकों से बेहतर उपचार और उचित निगरानी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। एसएसपी से की बात, जांच में तेजी लाने के निर्देश महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमोद डोवाल से बातचीत कर प्रकरण की वस्तुस्थिति की जानकारी ली। आयोग की ओर से पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर प्रसारित वीडियो तथा प्रकरण से जुड़े सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जाए।

आगे खुलासे करने की बात कही है। वहीं, मंत्री की ओर से लगाए गए आरोपों और साहू के जवाब के बीच मामले के सभी तथ्यों की निष्पक्ष जांच महत्वपूर्ण होगी।

संपादकीय

आस्था का राजनीतिकीकरण

नवरात्र केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, पारिवारिक परंपराओं और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक भी है। मां दुर्गा की आराधना, व्रत–उपवास, कन्या पूजन और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से करोड़ों लोग अपनी आस्था व्यक्त करते हैं। नवरात्र का आम जनजीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। बाजारों में रौनक बढ़ती है, पूजा सामग्री, फल, वस्त्र और अन्य वस्तुओं की मांग में वृद्धि होती है। छोटे दुकानदारों, फूल विक्रेताओं, कारीगरों, मिठाई कारोबारियों और धार्मिक आयोजनों से जुड़े लोगों को रोजगार के अवसर मिलते हैं। मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती है और विभिन्न स्थानों पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम सामाजिक मेलजोल का माध्यम बनते हैं।परिवारों में पूजा–पाठ और सामूहिक सहभागिता से आपसी संबंधों को मजबूती मिलती है। अनेक लोग व्रत और उपवास के माध्यम से अनुशासन अपनाते हैं। हालांकि, महंगाई, कामकाजी लोगों की व्यस्तता और आयोजन संबंधी खर्चों का दबाव भी कुछ परिवारों के लिए चुनौती बन जाता है। इसलिए नवरात्र का प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक भी है। इस पर्व का वास्तविक संदेश शक्ति की उपासना के साथ–साथ नारी सम्मान, अन्याय के प्रतिरोध और समाज में व्याप्त बुराइयों के विरुद्ध खड़े होने में निहित है। भारत में धर्म और राजनीति का संबंध नया नहीं है। किसी नेता का धार्मिक आयोजन में शामिल होना या धार्मिक पर्व की शुभकामनाएं देना अपने आप में अनुचित नहीं है। समस्या तब पैदा होती है, जब धार्मिक भावनाओं को राजनीतिक समर्थन जुटाने, सामाजिक विभाजन बढ़ाने या मूल जनसमस्याओं से ध्यान हटाने के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं की सुरक्षा और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे किसी भी समाज के लिए उठने ही महत्वपूर्ण हैं, जितनी उसकी सांस्कृतिक पहचान। धार्मिक आस्था और जनकल्याण को एक–दूसरे का विरोधी मानना उचित नहीं होगा। असली चुनौती यह है कि आस्था का सम्मान करते हुए शासन और राजनीति को जनता के प्रति जवाबदेह भी बनाए रखा जाए। क्या धार्मिक आयोजन सभी वर्गों को जोड़ रहे हैं, अथवा उनमें भागीदारी को किसी विशेष राजनीतिक पहचान से जोड़कर देखा जा रहा है? राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे धार्मिक अवसरों पर लोगों की भावनाओं का सम्मान करें, लेकिन साथ ही जनता के सामने अपने विकास कार्यों, नीतियों और वादों का हिसाब भी रखें। नागरिकों की जिम्मेदारी है कि वे किसी भी राजनीतिक दावे को केवल धार्मिक प्रतीकों के आधार पर परखें। मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का संदेश देती है। इस संदेश का केवल मंदिरों, पंढालों और धार्मिक मंचों तक सीमित रखने के बजाय सामाजिक व्यवहार में उतारने की आवश्यकता है। महिलाओं के प्रति हिंसा, कमजोर वर्गों के साथ भेदभाव, भ्रष्टाचार और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना भी उसी नैतिक चेतना का हिस्सा हो सकता है, जिसकी प्रेरणा लोग इस पर्व से प्राप्त करते हैं। प्रयासों के साथ शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे की जिम्मेदारियों को भी समान महत्व मिलना चाहिए।

आस्था पर प्रतिबंध नहीं समाधान जरूरी पटाखों और पराली दोनों के प्रदूषण पर हो समान दृष्टि



मनोज कुमार अग्रवाल

त्योहार भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक जीवन की आत्मा हैं। दीपावली होली जैसे पर्व केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं हैं बल्कि वे समाज में आपसी सद्भाव, उल्लास और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने का माध्यम भी हैं। ऐसे में जब हर वर्ष त्योहारों के आसपास प्रदूषण का मुद्दा उठता है और पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की मांग जोर पकड़ती है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या प्रदूषण रोकने की जिम्मेदारी केवल त्योहार मनाने वाले लोगों की है। पर्यावरण संरक्षण निस्संदेह जरूरी है लेकिन इसके नाम पर किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं और परंपराओं को लगातार कठघरे में खड़ा करना भी उचित नहीं है। जरूरत ऐसी नीति की है जो पर्यावरण की रक्षा करे और लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता तथा उत्सव मनाने की भावना का भी सम्मान करे।



मनोज कुमार अग्रवाल

मेरठ के बहुचर्चित नीला ड्रम कांड में सौरभ राजपूत की कालिल उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को फांसी की सजा सुनाई गई है। पतिहत्या महिला को पहली बार देश में फांसी की सजा सुनाई गई है। मुस्कान और साहिल ने सौरभ के पांच टुकड़े करके नीले ड्रम में सीमेंट डाल कर जमा दिए थे। यह समूचे समाज को भीतर तक झकझोरने वाला हत्याकांड रहा, जिसने भारतीय परिवारिक सामाजिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। क्या कोई विवाहित महिला ऐसा भी कर सकती है? जिस दंपति के एक छोटी बच्ची हो, जिसका पति उसको बेपनाह प्यार करता हो, लेकिन विवाहित युवती ने न अपना भविष्य देखा और न बच्ची का... वह वासना भरे कथित पत्र में ऐसी अंधी हुई कि अपने प्रेमी के साथ मिल कर पति के ही पांच टुकड़े कर दिए। बुधवार को जब कोर्ट ने मुस्कान से पूछा कि तुमको क्या सजा दी जाए ? तो उसने सिर्फ इतना कहा, मेरी बच्ची छोटी है। जाहिर है, उसका अपराध दया माफी के काबिल बिल्कुल नहीं था। यहाँ अदालत में न्याय के तख्त पर आसीन न्यायाधीश ने महाभारत के जिस क्षोक का अपने निर्णय में उल्लेख किया है वह गौरतलब है - निर्वनो वक्ष्यते व्याघ्रो निव्याघ्रं छिद्यते वनमन्तस्माद्व्याघ्रो वनं रक्षेद् वनं व्याघ्रं च पालयेद्। इसका अर्थ है कि बिना वन (जंगल) के बाघ मारा जाता है और बिना बाघ के जंगल काट दिया जाता है। इसलिए बाघ को वन की रक्षा करनी चाहिए और वन को बाघ का पालन-पोषण करना चाहिए। इस क्षोक के माध्यम से अदालत ने समाज और कानून

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर सोमवार को उच्चतम न्यायालय में हुई सुनवाई ने इस बहस को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। पीठ में न्यायमूर्ति जय्यामाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कम प्रदूषण वाले विकल्प अपनाने और लोगों को जागरूक करने की जरूरत बताई। न्याय मित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने भी पटाखों से बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का उल्लेख किया। मामले में अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। भारत में दीपावली पर दीप जलाने, परिवार के साथ खुशियां बांटने और परंपरागत रूप से आतिशबाजी करने की प्रथा लंबे समय से चली आ रही है। समय के साथ उत्सव मनाने के तरीके बदले हैं, लेकिन त्योहारों का मूल भाव प्रकाश, आनंद और सामाजिक एकता ही रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि परंपराओं को पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाए। कम धुआं पैदा करने वाले प्रमाणित पटाखों, निर्धारित समयसीमा और नियंत्रित आतिशबाजी जैसे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। लोगों को जागरूक करके भी प्रदूषण कम किया जा सकता है। केवल प्रतिबंध लगा देने से समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। प्रतिबंध के साथ निगरानी, जनसहभागिता और प्रभावी क्रियान्वयन

भी जरूरी है। यह सवाल भी उठता है कि यदि पटाखों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाए जा सकते हैं तो पराली जलाने पर प्रभावी रोक लगाने के लिए वैसी ही गंभीरता क्यों नहीं दिखाई देती। किसानों की अपनी व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। फसल कटाई के बाद खेतों को समय पर तैयार करना, मशीनों की उपलब्धता और अवशेषों के निस्तारण की लागत उनके सामने वास्तविक चुनौतियां हैं। इसलिए किसानों को केवल दंडित करना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें वैकल्पिक मशीनें, आर्थिक सहायता और पराली के उपयोग की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध करानी चाहिए। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई भी होनी चाहिए। किसान, उद्योग, वाहन चालक और आम नागरिक सभी पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी साझा करें, तभी सार्थक परिणाम मिलेंगे। होली के अवसर पर भी पानी की कमी का मुद्दा उठता है। जल संरक्षण की चिंता बिल्कुल उचित है, लेकिन उसका समाधान भी संतुलित होना चाहिए। लोगों को पानी बचाने, सूखे रंगों का इस्तेमाल करने और अनावश्यक जल व्यय से बचने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इसी प्रकार दीपावली पर पर्यावरण के अनुकूल उत्सव मनाने के लिए जनजागरण अभियान चलाए जा सकते हैं। समाज को साथ लेकर चलने वाली व्यवस्था अधिक प्रभावी होती है। त्योहारों को लेकर हर वर्ष विवाद खड़ा करने के बजाय सरकार, प्रशासन, पर्यावरण विशेषज्ञों और धार्मिक

संगठनों को मिलकर ऐसे उपाय विकसित करने चाहिए जो परंपराओं और प्रकृति दोनों की रक्षा करें। उच्चतम न्यायालय ने भी सुनवाई के दौरान इस बात पर ध्यान दिया कि किसी आदेश को लागू करने से पहले उसकी व्यावहारिकता देखना जरूरी है। यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। किसी भी प्रतिबंध का उद्देश्य तभी पूरा होता है जब उसका पालन संभव हो, निगरानी की व्यवस्था स्पष्ट हो और जनता उसमें सहयोग करे। लोगों को यह समझाना जरूरी है कि कौन से पटाखे अधिक हानिकारक हैं और किन विकल्पों से नुकसान कम किया जा सकता है। जागरूकता, जिम्मेदारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सकता है। अंततः पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक आस्था को आमने-सामने खड़ा करना उचित नहीं है। स्वच्छ वातावरण भी जरूरी है और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान भी। किसी की खुशियों पर अनावश्यक रोक लगाने के बजाय प्रदूषण के सभी स्रोतों पर समान गंभीरता से कार्रवाई होनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय की आगामी सुनवाई से यह उमीद की जा सकती है कि ऐसा रास्ता निकलेगा जिसमें नागरिकों के स्वास्थ्य, धार्मिक स्वतंत्रता और पर्यावरण संरक्षण के बीच उचित संतुलन कायम हो। प्रदूषण के नाम पर न्यायदती नहीं होनी चाहिए, लेकिन पर्यावरण के प्रति लापरवाही को भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। समाधान प्रतिबंधों की प्रतियुग्धा में नहीं, बल्कि निष्पक्ष नियमों, प्रभावी व्यवस्था और सामूहिक जिम्मेदारी में छिपा है।

मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा समाज को संदेश

या दंड के बीच के परस्पर संबंधों को समझाया। जज ने स्पष्ट किया कि दंड भी धर्म है, यानी समाज की रक्षा के लिए अपराधी को उसके अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड देना बेहद जरूरी है, ताकि समाज में संतुलन बना रहे।उन्होंने फैसला पढ़ना शुरू किया इससे पहले उन्होंने अहम टिप्पणी में कहा कि दंड भी धर्म है. उन्होंने महाभारत का जिक्र करते हुए कहा कि दंड को भी धर्म ही बताया गया है, यानी अपराधी को दंड देना धर्म है. आपको क्रमवार याद दिला दें कि 24 फरवरी 2025 को मर्देत नेवी अफसर सौरभ राजपूत लॉन्ग से वापस मेरठ लौटे और इंदिरा नगर स्थित अपने घर पहुंचे.25 फरवरी 2025 को सौरभ के घर में उनकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी का जन्मदिन मनाया गया.28 फरवरी 2025 को उनकी बेटी पीहू का जन्मदिन मनाया गया.3 मार्च 2025: अभियोजन पक्ष के अनुसार, साजिश के तहत सौरभ को नींद की दवा दी गई और उसके बाद उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को घर बुलाया गया, जहां सौरभ की बेरहमी से हत्या कर दी गई. इसके बाद शव के टुकड़े कर उसे सीमेंट भरकर एक नीले ड्रम में सील कर दिया गया.4 मार्च 2025: इस दिन मुस्कान अपनी बेटी को मायके छोड़कर साहिल के साथ शिमला घूमने निकल गई और सौरभ के फोन से मैसेज भेजकर परिवार को धोखे में रखा.17 मार्च 2025: शिमला से लौटने के बाद जब मामले का खुलासा हुआ और पुलिस ने जांच शुरू की, तो घर के अंदर रखे नीले ड्रम से सौरभ राजपूत के शव के टुकड़े बरामद किए गए. पुलिस ने आरोपी मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार किया.

आपको बता दें कि 14 अक्टूबर को मुस्कान और साहिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था. इससे पहले अदालत ने 30 सितंबर को मुस्कान और साहिल को सौरभ राजपूत की हत्या करने और उनके शव को छिपाने की कोशिश के मामले में दोषी करार दिया था. करीब 13 महीने तक चले मुकदमे में कुल 126 सुनवाई हुईं, जिसके बाद अदालत ने दोनों को सजा सुनाई. आपको बता दें कि सौरभ हत्या कांड के बाद कुछ और केस सामने आए। इन पर भी अदालतें देर सबेर फैसला सुनाएंगी। इसी माह की 16 तारीख को मेरठ के ही एक और केस का फैसला आना है, जिसमें

रविता कश्यप और उसके प्रेमी अमरदीप ने अंमृत कश्यप की हत्या कर उसे सांप के काटने से डूँड मौत दिखाने की कोशिश की। पति के बिस्तर पर सांप छोड़ दिया। सोनम रघुवंशी केस की भी आपको याद होगा। इस केस में सोनम पर अपने पति राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या करने का आरोप है। महाराष्ट्र के एक-दो नहीं, पांच से ज्यादा केस हैं। इसी तरह पुणे के केतन हत्याकांड ने भी विवाह जैसी संस्था को धिक्कज्याँ उड़ाई थी। जिस रिश्ते से जीवन संवरने की उम्मीद होती है, वही बनने से पहले ही अमर मौत की वजह बन जाए तो भरोसा आखिर किस पर किया जाए? रिश्ते अब अपनी शतों पर चलाने की जिद में उलझते नजर आते हैं। आए दिन इस प्रकार की घटनाएँ सामने आ रही हैं। सवाल हत्याओं से ज्यादा विवाह परंपरा, उसकी मर्यादाँ और रिश्तों के खून पर उठ रहे हैं। पति-पत्नी का रिश्ता विश्वास, प्रेम और साथ निभाने की प्रतिज्ञा पर टिका होता है। लेकिन जब इसी रिश्ते में विश्वास की जगह छल, संवाद की जगह हिंसा और मतभेद की जगह हत्या ले लेती है, तो सवाल केवल अपराध का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सोच का यन जाता है। नीला ड्रम कांड और मुस्कान साहिल से जुड़े मामले ने समाज को झकझोरने के साथ यह सोचने पर भी विवश किया है कि आखिर वैवाहिक रिश्ते इस हद तक कैसे पहुँच रहे हैं। पति की जीवनसाथी ही जीवन का दुश्मन बन जाता है। पति की हत्या, शव को छिपाने और अपराध के साक्ष्य मिटाने जैसे आरोप किसी भी सभ्य समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसे मामलों में जनभावना स्वाभाविक रूप से कठोरतम दंड की मांग करती है। और अदालत ने फांसी की सजा सुनाकर संदेश भी दिया कि जयन्तम मामलों में कोई राहत नहीं दी जा सकती। भारतीय कानून में हत्या एक गंभीर दंडनीय अपराध है। एक जुलाई 2024 से लागू भारतीय न्याय संहित में हत्या के लिए मृत्युदंड या आजीवन कारावास तथा जुर्माना का प्रावधान है। इससे पहले के अपराधों पर लागू कानून का निर्धारण घटना की तारीख और संक्रमण संबंधी कानूनी प्रावधानों के अनुसार होता है। नीला ड्रम कांड केवल एक अपराध की घटना नहीं है। इस घटना के बाद समाज की सोच भी बदली। विवाह वगैर लड़के खोफ में आ गए। वह विवाह से कतराने लगे। इस कांड ने विवाह परंपरा को

ही सवालों के घेरे में ला दिया। सोशल मीडिया पर नीला ड्रम ऐसे छा गया, मानो उसका ही कसूर था। हालात-ए-काल का मंजर देखकर पुलिस टीम के भी रंगटे खड़े हो गए, जब नीले ड्रम में सौरभ राजपूत टुकड़े-टुकड़े होकर जमा पड़ा था। अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े करना, उन्हें ठिकाने लगाना या साक्ष्य नष्ट करना जांच में महत्वपूर्ण परिस्थितियाँ नहीं। न्याय का उद्देश्य केवल अपराधी को पकड़ना नहीं, बल्कि कानून के प्रति समाज का विश्वास बनाए रखना भी है। नीला ड्रम कांड के बाद पति की हत्या से जुड़े दूसरे चर्चित मामलों की चर्चा ने एक गंभीर सवाल खड़ा किया है। क्या वैवाहिक रिश्तों में हिंसा और प्रतियोगिता की प्रवृत्ति बढ़ रही है? इसका उत्तर केवल सुघटियाँ और वायरल खबरों से नहीं दिया जा सकता। वे घटनाएँ सामाजिक विकृतियों पर आत्ममंथन की मांग करती हैं। आर्थिक अपेक्षाएं, विवाहेतर संबंधों को लेकर विवाद, संदेह, अहंकार, संपत्ति के झगड़े और पारिवारिक हस्तक्षेप आदि इसके कई कारक हैं। ऐसे जघन्य अपराधों में फांसी की सजा केवल एक नज्दीर है। जिस पवित्र रिश्ते का खून हुआ, उसकी कहां सुनवाई होगी ? नीला ड्रम कांड में सुनाई गई सजा एक चेतावनी भर है। अपराध की भयावहता केवल शव छिपाने के तरीके में नहीं, उस मानसिकता में भी है जो किसी ईंसान की जान लेने को बदलने का समाधान समझती है। इस मानसिकता को सफरते के लिए कानून, परिवार, शिक्षा और समाज-सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। सोशल मीडिया के इस दौर में तमाम तरह का अनेकैत असामाजिक और रिश्तों की पवित्रता को नष्ट करने वाली रील और सामग्री को वायरल कर परिवार व समाज को दूषित किया जा रहा है और नयी पीढ़ी में वैचारिक प्रभावण कर बीजरोपण कर भारतीय संस्कृति समाज और परिवार को तोड़ने का अधम काम किया जा रहा है। सबसे अहम सवाल है कि विवाह परंपरा को कैसे पुनर्जीवित और मजबूत बनाया जाए। सवाल यही है कि सात फेरों में साथ जीने-मरने का वादा करने वाले रिश्ते में आखिर जिंदगी इतनी सस्ती कैसे हो गई?इस गंदगी और अपराध की सोच को अंकुरित होने से पहले ही खत्म करना होगा तभी परिवार नाम की संस्था को बचाया जा सकता है।

पंजाब में नशे का तांडव: वर्दी बनी त्रासदी



ललित गर्ग

पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कमी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है।

पंजाब की धरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवदत्ता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नशे के बढ़ते कारोबार, युवाओं की बर्बादी और ड्रग्स माफिया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन-व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिरंगा शोभा देते थे, वहाँ आज नशे ने अनेक हाथों को बेवस और अनेक परिवारों को बदहवास कर दिया है। विडंबना देखिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कांस्टेबल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ांध की ओर संकेत करता है। यह घटना महज एक आपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकने के लिए नियुक्त व्यक्ति ही कथित तौर पर अपराध के संदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि हबबाड ही खेत को खाने लगेहू, तो फसल की रखवाली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करी को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगे, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोधियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वर्दी की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए। पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं मां की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा



छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिजनों पर बोझ बन रहा है। ह्वाघर का चिराग ही घर में अंधेरा कर देहू, इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करी को गिरफ्तार किया, जिसमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रा मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठता है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों और जब्ती के बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। हदमज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा

कीहू जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी। पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अन्न तंक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकती। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। ह्यूदध का दूध और पानी का पानीहू करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पड़े के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी को पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन

सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उताना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सत्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करी के नेटवर्क बार-बार सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियान्वयन पर सवाल उठाना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा। सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करी तथा उनके संरक्षकों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई। नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आधुनिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ-साथ नशामुक्ति केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वास पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकार युवाओं को केवल अपराधी मानकर खारिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहाय और समानजनक जीवन में लौटने का अवसर देना भी जरूरी है। गांवों में जनभागीदारी, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इस अभियान को जानांदोलन का स्वरूप दे सकती है। साथ ही, पुलिस और राजनीतिक तंत्र में किसी भी स्तर पर संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निकालना केवल सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पलटी जवाबदेही सरकार की ही है। जब कानून से रखवाले ही संदेह के घेरे में आने लगे और करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करें, तब आत्ममंथन टालना आत्मघाती होगा। हलकीर पीटनेहू के बजाय अब निर्णायक परिणाम देने का समय है। पंजाब को खोखले नारों नहीं, कठोर कार्रवाई, पारदर्शी जांच और जवाबदेह शासन की जरूरत है। नशा माफिया की जड़ें उखाड़ने के लिए राजनीतिक संरक्षण की दीवारें तोड़नी होंगी और कानून का भय हर अपराधी तक पहुंचाना होगा। अन्यथा नशे का यह तांडव पंजाब की युवा शक्ति को ही नहीं, देश की सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर क्षति पहुंचाता रहेगा।

जंगल में पेड़ पर गिरी आकाशीय बिजली, वपेट में आने से व्यक्ति झुलसा



अस्पताल में भर्ती अनिल नेगी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड दुगड्डा के अंतर्गत ग्रामसभा जुआ के जंगल में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 52 वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया। घायल को स्वजन

राजकीय बेस चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां उसे भर्ती कराया गया है।
जानकारी के अनुसार, ग्राम जुआ निवासी अनिल नेगी (52) पुत्र गजेन्द्र सिंह नेगी बकरियां चराने के लिए गांव के समीप जंगल गया था। दोपहर करीब डेढ़ बजे जंगल में एक पेड़ पर आकाशीय बिजली गिर गई। उस समय अनिल नेगी पेड़ से कुछ दूरी पर बकरियां चरा रहा था। बिजली गिरने के दौरान वह उसकी चपेट में आ गया, जिससे वह बुरी तरह झुलस गया। गंभीर

रूप से घायल होने के बावजूद अनिल नेगी हिम्मत जुटाकर किसी तरह अपने घर पहुंचा। इसके बाद स्वजन उसे उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय ले गए, जहां उसे भर्ती कराया गया है।

साइबर अपराध व नशे के प्रति जागरूकता के लिए लगाए स्टाल

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वार : साइबर अपराध व नशे के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए कोटद्वार पुलिस की ओर से सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता स्टाल लगाए गए। इस दौरान किसी भी तरह की ठगी होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करने की अपील की गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंचार के निर्देश पर जनपद में व्यापक स्तर पर साइबर जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत पुलिस की टीमें स्कूलों, कॉलेजों, ग्रामीण क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रही हैं। इसी क्रम में कोटद्वार



पुलिस ने सार्वजनिक और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर साइबर हेल्प डेस्क के माध्यम से जागरूकता स्टॉल लगाए हैं। इन स्टॉलों पर पुलिसकर्मी आमजन को ऑनलाइन धोखाधड़ी

के विभिन्न तरीकों की जानकारी देने के साथ उनसे बचाव के उपाय भी बता रहे हैं। अभियान के दौरान पुलिस की ओर से साइबर सुरक्षा संबंधी पंपलेट वितरित किए जा रहे हैं। लोगों को अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी निवेश योजनाओं, ऑनलाइन ठगी और डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी बैंकिंग जानकारी, ओटीपी, यूपीआई पिन और अन्य गोपनीय जानकारीयां किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। किसी भी संदिग्ध कॉल या लिंक पर भरोसा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच जरूर करें।

सुदर्शन सिंह बिष्ट अध्यक्ष व विनोद नेगी बने महासचिव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वरिष्ठ नागरिक संगठन की पुगनी कार्यकारिणी को भंग कर नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में सुदर्शन सिंह बिष्ट को अध्यक्ष व विनोद कुमार नेगी को महासचिव पद की जिम्मेदारी दी गई।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि संगठन पिछले कई वर्षों से वरिष्ठ नागरिकों के हितों को लेकर कार्य कर रहा है। इसके लिए विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। इस दौरान संगठन की नवीन कार्यकारिणी में सुदर्शन सिंह बिष्ट को अध्यक्ष, विनोद कुमार नेगी को महासचिव, सुनील नवानी को कोषाध्यक्ष, राजेंद्र बिष्ट को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जयवीर सिंह रावत को उपाध्यक्ष, शंकर दत्त को सह सचिव, आरपी पंत को संगठन सचिव, जयभारत सिंह असवाल को आय व्यव निरीक्षक चुना गया।

महेंद्र कुमार अग्रवाल, कृष्ण सिंघानिया, राकेश पोखरियाल, विक्रम सिंह बिष्ट, गजेन्द्र प्रसाद शर्मा, वीरेंद्र सिंह गुसाईं, बृज मोहन वर्मा



आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते संगठन के सदस्य

को कार्यकारणी सदस्य बनाया गया। वहीं, संरक्षक मंडल की जिम्मेदारी बुद्धिबल्लभ ध्यानी, प्रेम लाल खंतवाल, रिपुदमन बिष्ट, प्रकाश कोठारी, रमेश चंद्र खंतवाल, सत्यनारायण

नौटियाल को दी गई। रघुवीर सिंह रावत को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। इस दौरान सदस्यों ने हंस फाउंडेशन की संचालिका माता मंगला का भी जन्मदिवस मनाया।

वीआईपी के खिलाफ कार्रवाई को लेकर छात्रों ने फूंका पुतला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अंकिता भंडारी प्रकरण में वीआईपी का नाम सामने नहीं आने पर एनएसयूआई व वंदे मातरम छात्र संगठन ने राज्य सरकार का पुतला दहन किया।

कहा कि अपनी बेटी को न्याय दिलवाने के लिए परिवार को दिल्ली में धरने पर बैठना पड़ रहा है। शुक्रवार को संगठन से जुड़े विद्यार्थी रजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रवेश द्वार

पर एकत्रित हुए। वहां उन्होंने राज्य सरकार का खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया। कहा कि वनतरा मामले में सीबीआई जांच और मामले में कथित वीआईपी की भूमिका से जुड़े सवालों की जांच को लेकर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। उनका कहना था कि जांच पूरी होने तक दुष्यंत कुमार गौतम की राज्यपाल नियुक्ति पर रोक लगाई जानी चाहिए। छात्रों ने इसे अंकिता के परिवार को न्याय दिलाने से जुड़ा मुद्दा

बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने अंकिता भंडारी को न्याय दे, राज्यपाल की नियुक्ति रद्द करो और सीबीआई जांच पूरी होने तक राज्यपाल नियुक्ति रोकें नारे लगाए। इस मौके पर मनीष नेगी, आदित्य, आकृति, विधि, अम्बिका, आंशिका, भूमिका जोशी, अभिषेक अग्रवाल, प्रेरणा, मीनाक्षी, अंकुश चिल्डियाल, शुभम सुयाल, अनामिका, शिवानी आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार इंगल वेटरन (ईएमई कोर) की ओर से गुरुवार को कोर का 84वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों के साथ ही उनके स्वजनों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वेटरन दौलत सिंह ने की। उन्होंने देश की सेवा में अपना बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम में वेटरन परिवारों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। कोटद्वार इंगल वेटरन के संयोजक कर्नल (सेनि) एसपी भट्ट ने कोर के गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों के बारे में बताया। कहा कि ईएमई कोर वर्ष 1943 से भारतीय सेना की तकनीकी क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोर का ध्येय वाक्य ह्यकर्म ही धर्म है सैनिकों को कर्तव्य निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में कर्नल (सेनि) ताजवार सिंह गुसाईं, विलोचन, तीरथ सिंह नेगी, दीपक रावत, मनोज काला, रविंदर सौध, राकेश, राजेश, कंचन सुंदली, सुशीला गुसाईं, किरण अंतर्वाल, लक्ष्मी काला और सरिता रावत सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

सीएचसी पाबौ में अल्ट्रासाउंड न होने से मरीज परेशान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ में ढाई माह बीतने के बाद भी अल्ट्रासाउंड जांच सेवा शुरू नहीं हो सकी है। जिस कारण मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती न होने से मरीजों को जांच के लिए जिला अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य केंद्र में रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती की मांग की है। उन्होंने कहा कि जनहित में जल्द से जल्द स्वास्थ्य केंद्र में रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती की जानी चाहिए। सीएचसी में पहले रेगिस्टर के अनुसार अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा उपलब्ध थी। एक रेगिस्टर में करीब 50 मरीजों की जांच की जाती थी। लेकिन 31 जुलाई को सीएमओ डॉ. शिवमोहन शुक्ला के सेवानिवृत्त होने के बाद से यह सेवा प्रभावित है। अल्ट्रासाउंड सेवा बंद होने का सबसे अधिक असर दूरदर्शन के गांवों से आने वाले मरीजों पर पड़ रहा है। जांच के लिए उन्हें जिला मुख्यालय जाना पड़ रहा है। वहीं, कई मरीजों को निजी अस्पतालों में महंगे दाम पर जांच करानी पड़ रही है। इससे खासकर गर्भवती महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पहाड़ी क्षेत्र में पहले से ही स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के बीच अल्ट्रासाउंड सेवा बंद होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

एकेश्वर ब्लॉक की टीम राज्य स्तरीय वि्वज प्रतियोगिता में करेगी प्रतिभाग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मैसमोर इंटर कॉलेज में जनपद स्तरीय वि्वज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जनपद के नौ विकासखंडों की टीमों ने प्रतिभाग किया। छः राउंड तक चले मुख्य मुकाबले में विकासखंड एकेश्वर की राजीव गांधी नवोदय विद्यालय संतुधार की टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर जिला विज्ञान व सूचना अधिकारी हेमंत काला, विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक अंशुल बिष्ट और डॉ. पंचम सिंह रावत ने संयुक्त रूप से किया। प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की गई। पहले चरण में स्क्रीनिंग परीक्षा के माध्यम से जनपद के नौ विकासखंडों की टीमों ने हिस्सा लिया। इसमें बेहतर प्रदर्शन के आधार पर एकेश्वर, यमकेश्वर, कोट, हारीखाल, दुगड्डा और थलीसैंण विकासखंड की टीमों ने अगले चरण में जगह बनाई। दूसरे चरण की मुख्य वि्वज प्रतियोगिता के छः राउंड के बाद एकेश्वर विकासखंड की राजीव गांधी नवोदय विद्यालय संतुधार की टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया। थलीसैंण विकासखंड के राजकीय इंटर कॉलेज हिवलीधार की टीम दूसरे और दुगड्डा विकासखंड की टीम तीसरे स्थान पर रही। इस मौके पर जयदीप रावत, महेंद्र गैथान, भवान सिंह नेगी, मनोज कुमार काला, नवेंद्र सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

महिला ने भागीरथी नदी में लगाई छलांग, तलाश में जुटी पुलिस

श्रीनगर गढ़वाल : संगम के समीप एक महिला ने भागीरथी नदी में छलांग लगा दी। महिला को नदी में बहता देख उसे बचाने के लिए जल पुलिस के जवान रवेंद्र राणा ने भी नदी में छलांग लगा दी, लेकिन तेज बहाव के कारण महिला करीब 100 मीटर आगे जाकर ओझल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरफ की टीमों की ओर से नदी के दोनों छोरों पर सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। संगम पर पूजा करने आए लोगों का कहना है कि महिला काफी देर से वहां बैठी हुई थी और अचानक उसने नदी में छलांग लगा दी। घटना के समय महिला ने अपने कंधे पर एक बैग भी लटका रखा था।





कर्मवीर जयानंद भारती जी

“ओअम्”



महर्षि दयानन्द सरस्वती

उत्तराखण्ड रत्न, स्वतंत्रता सेनानी

कर्मवीर जयानंद भारती जी

की

146वीं जयंती

राजकीय मेला

(दिनांक: 17–18 अक्टूबर, 2026)

स्थान: एम.एस.के. राजकीय इण्टर कॉलेज स्यूंसी (बीरोंखाल)

समय: प्रातः 10:00 बजे



सतपाल महाराज

मंत्री – पर्यटन, धर्मस्व एवं सस्कृति, ग्रामीण निर्माण, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं सामान्य प्रशासन

उत्तराखण्ड सरकार



uttarakhandtourism.gov.in

/UttarakhandTourismOfficialPage

/UTDBofficial

/uttarakhand_tourismofficial

Uttarakhand Tourism

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद

बलूनी अकादमी व डीएवी की टीम ने किया बेहतर प्रदर्शन



प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का परिचय लेते अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बलूनी पब्लिक स्कूल में लेट एडवोकेट राजेश भारद्वाज की स्मृति में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट को तीसरे दिन बलूनी स्पोर्ट्स अकादमी और डीएवी की टीमों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी में बेहतरीन खेल दिखाकर दर्शकों की खूब वाहवाही लुटायी। दिन के मुकाबलों में बलूनी स्पोर्ट्स अकादमी ने नवयुग पब्लिक स्कूल को 11 रन से, जबकि डीएवी ने एमकेवीएन को 21 रन से हराया। वहीं, बाल भारती स्कूल के खिलाफ

रोमांचक मुकाबले में नवयुग पब्लिक स्कूल ने जीत हासिल की। प्रतियोगिता के तीसरे दिन का शुभारंभ भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र रावत, प्रदीप बड़ोला और कमलेश कोटनाला ने किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। खेलों के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना जैसे गुण विकसित होते हैं। दिन का पहला मैच बलूनी स्पोर्ट्स अकादमी और नवयुग पब्लिक स्कूल के

बीच खेला गया। बलूनी स्पोर्ट्स अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 61 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नवयुग पब्लिक स्कूल की टीम निर्धारित आठ ओवर में सात विकेट खोकर 50 रन ही बना सकी। इस तरह बलूनी स्पोर्ट्स अकादमी ने 11 रन से जीत दर्ज की। टीम की ओर से अक्षित ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो ओवर में सात रन देकर दो विकेट चटकाए। वहीं, नवयुग पब्लिक स्कूल के सुजल भंडारी ने 15 गेंदों में 17 रन बनाकर उपयोगी पारी खेली। दूसरा मुकाबला बाल भारती स्कूल और नवयुग पब्लिक स्कूल के बीच सुपर नॉक आउट प्रारूप में खेला गया। बाल भारती स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवर में पांच विकेट गंवाकर 35 रन बनाए। जवाब में नवयुग पब्लिक स्कूल ने छह विकेट के नुकसान पर 6.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ नवयुग पब्लिक स्कूल ने अगले दौर में पहुंचने की उम्मीदों को मजबूत किया। तीसरे मुकाबले में डीएवी और एमकेवीएन की टीमें आमने-सामने रहीं। डीएवी ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवर में एक विकेट खोकर 63 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमकेवीएन की टीम 7.4 ओवर में 42 रन पर ऑल आउट हो गई। डीएवी ने 21 रन से मुकाबला अपने नाम कर टूर्नामेंट में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

छात्राओं ने सीखें आत्मरक्षा के गुर



जयन्त प्रतिनिधि। सतपुरी : शुक्रवार को कल्जीखाल ब्लॉक के राजकीय इंटर कालेज बड़वोल एवं जयहरीखाल ब्लॉक के राजकीय इंटर कालेज खैरसैण में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को संकट और आपात स्थिति में खुद की रक्षा करने के लिए सक्षम बनाना है। शिविर में छात्राओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखें।

इस अवसर पर कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. विजेन्द्र सिंह उत्तराखंडी द्वारा बच्चों को सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बच्चों के बौद्धिक विकास, शारीरिक विकास एवं मानसिक विकास के साथ-साथ बच्चों को अनुशासित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शशि मोहन काला, प्रशिक्षक सुमन चमोली मौजूद आदि रहे।

एक नजर

सीएम धामी, स्वास्थ्य मंत्री और विधायक को भेजा ज्ञापन

नई टिहरी। इणियां में मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर सारजूल्ला क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल और टिहरी विधायक कशोर उपाध्याय को ज्ञापन भेजा। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय के क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा बेहतर करने के लिए मेडिकल कॉलेज की स्थापना जरूरी है। वहीं गणेश चौक में कॉलेज निर्माण को धरना और रैकिक अनशन भी जारी रहा। धामी की जिला पंचायत सदस्य दर्शनी रावत के नेतृत्व में पट्टी सारजूल्ला क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने डीएम के माध्यम से सीएम धामी को भेजे ज्ञापन में कहा कि इणियां में मेडिकल कॉलेज के लिए पर्याप्त भूमि है। जिला अस्पताल और मुख्यालय से इणियां की दूरी मात्र 8 किलोमीटर है। पूर्व में भूमि का संबंधित विभाग ने परीक्षण किया जा चुका है। टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिलों के लोगों की स्वास्थ्य सुविधा को देखते हुए इणियां में मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू कराया जाए। उन्होंने सीएम से इणियां में भूमि पूजन कर शीघ्र मेडिकल कॉलेज निर्माण का कार्य शुरू करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में बीडीसी सदस्य सुमित्रा पुंडीर, देवेंद्र चौहान, ग्राम प्रधान बुडोगी भूपेंद्र चौहान, कविता नेगी, प्रवेश भट्ट, वीरचंद तोपवाल आदि मौजूद रहे। वहीं मेडिकल कॉलेज की मांग को लेकर बोरगढ़ी में शुक्रवार को 76 दिं दिन धरना और 46 दिं दिन रैकिक अनशन जारी रहा। लक्ष्मी प्रसाद बड़ोनी और राजेंद्र प्रसाद पैन्थली रैकिक अनशन पर बैठे। इस मौके पर जीतराम भट्ट, कमल सिंह महर, चंदन सिंह रावत, किशोरी लाल, शिवराज सजवाण, संदीप रावत, विरेंद्र रावत मौजूद रहे।

व्यक्ति पर झाड़ियों में छिपे भालू ने किया हमला

उत्तरकाशी, जिले के नौगांव क्षेत्र में भालू के हमले की घटना सामने आई है। कफनौल गांव के रणवीर सिंह कफोला पर जंगल में बकरियां चराने के दौरान भालू ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कफनौल में प्राथमिक उपचार देने के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए हेली एंबुलेंस के माध्यम से हायर सेंटर देहरादून रेफर किया गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, कफनौल गांव निवासी रणवीर सिंह कफोला(50) पुत्र दयाशम कफोला रोज की तरह बकरियां लेकर गांव के पास स्थित जंगल में गए थे। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे भालू ने अचानक उन पर हमला कर दिया। उनके साथ मौजूद दूसरे बकरीपालक ने शोर मचाया, जिसके बाद भालू जंगल की ओर भाग गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण जंगल पहुंचे और घायल रणवीर सिंह को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कफनौल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए प्रशासन से हेली एंबुलेंस की मांग की। इसके बाद घायल को कफनौल से करीब आठ किलोमीटर दूर धारी कलोगी से एयरलिफ्ट कर हेली एंबुलेंस के जरिए हायर सेंटर देहरादून भेजा गया।

गैवला इंटर कॉलेज में कॅरिअर काउंसलिंग कार्यक्रम संपन्न

उत्तरकाशी। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज गैवला में किशोरवस्था जागरूकता एवं कॅरिअर काउंसलिंग कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में करीब 235 विद्यार्थियों को कॅरिअर चयन, उच्च शिक्षा, बैंकिंग, न्यायिक व्यवस्था और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में एसबीआई ब्रह्मखाल के शाखा प्रबंधक अमित गुसाई ने बैंकिंग सेवाओं और इस क्षेत्र में कॅरिअर की संभावनाओं की जानकारी दी। राजकीय महाविद्यालय ब्रह्मखाल के डॉ. विनोद कुमार चंद्रवाल ने उच्च शिक्षा के अवसरों और विषय चयन के संबंध में मार्गदर्शन किया। वहीं, पूर्व प्रमुख सचिव न्याय एवं विधायी जयदेव सिंह ने न्याय व्यवस्था और कानून के महत्व के बारे में बताया।

चिकित्सा कर्मियों को दिया ऑनलाइन प्रशिक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : पर्वतीय क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विभाग की ओर से ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। इसमें रुद्रप्रयाग जिले के 29 चिकित्सा अधिकारियों और 18 आशा फैसिलिटेटर्स सहित 51 चिकित्सा कर्मियों को मानसिक रोगों की पहचान, प्राथमिक उपचार और गंभीर मरीजों को रेफर करने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ. मोहित सेनी, डॉ. पार्थ दत्ता और डॉ. श्वेता कृष्णा ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी। डॉ. मोहित सेनी ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण लोगों को मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में चिकित्सा अधिकारियों को उपचार के लिए प्रशिक्षित करना जरूरी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारुल गोयल, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी, जिला समन्वयक नागेश्वर प्रसाद मौजूद रहे। (एजेंसी)

विद्यार्थियों का शैक्षिक विकास के साथ सर्वांगीण विकास भी जरूरी

राजकीय महाविद्यालय सतपुरी में सेवा संकल्प सप्ताह का समापन

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुरी : राजकीय महाविद्यालय सतपुरी खैरसैण में सेवा संकल्प सप्ताह का समापन रंंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा उत्तराखण्ड के प्रदेश महामंत्री दीपति रावत, विशिष्ट अतिथि पीएलवी पुष्पेंद्र राणा ने दीप प्रज्वलित कर किया। सेवा संकल्प सप्ताह के तहत रंगोली, भाषण सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली पूजा, दीपि, चांदनी, रंशम रावत और गीतांजलि को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि दीपति रावत ने मेरे सपनों का भारत-2047 विषय पर विचार रखते हुए शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाने, चरित्र निर्माण, आध्यात्मिक विकास और स्वच्छता को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कोविड काल में टीकाकरण और स्वच्छ भारत अभियान सहित विभिन्न



अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के विकास में प्रत्येक नागरिक की अपनी जिम्मेदारी है। विशिष्ट अतिथि पुष्पेंद्र राणा ने कहा कि विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास के साथ उनका सर्वांगीण विकास भी जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विमल कुमार लखटिया ने किया।

इस अवसर पर डॉ. राकेश इटवाल, युवा मोर्चा जिला महामंत्री पंकज पोखरियाल, डॉ. वीर सिंह, डॉ. हरिकृष्ण सेमवाल, गुड्डी देवी, अर्चना, मनीष नेगी, अजय कुमार, नितिन भट्ट, नीरज राणा सहित महाविद्यालय के कर्मचारी और अधिकारी मौजूद रहे।

आयुर्वेदिक अस्पताल में दवाओं के स्टॉक की रोजाना जांच के निर्देश

उत्तरकाशी। सचिव आयुष एवं आयुष शिक्षा व आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद रंजना राजगुरु ने स्वास्थ्य सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने आयुर्वेदिक अस्पताल में दवाओं के स्टॉक की रोजाना जांच के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि अस्पतालों में दवा की उपलब्धता, चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति और राजस्व संबंधी मामलों का समयबद्ध निस्तारण करें ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी न उठनी पड़े। जनपद भ्रमण के दौरान राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल के निरीक्षण में सचिव ने दवाओं के स्टॉक, चिकित्सकों की संख्या, दैनिक ओपीडी और मरीजों से मिले फीडबैक के आधार पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने दवाओं के स्टॉक की प्रतिदिन जांच, अस्पताल में साफ-

सफाई और आयुर्वेदिक उपचार व पंचकर्म सेवाओं का सुचारु संचालन के निर्देश दिए। पुरुष एवं महिला पंचकर्म कक्षाओं, वाडों, योग कक्ष और ओपीडी का निरीक्षण करने के साथ कैंटीन की उपलब्धता के लिए भी कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया। इसके बाद जिला सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में राजस्व वादों के जल्द निस्तारण, एपीस्टेक एवं फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों को समय पर पूरा करने और निर्माणाधीन भवनों की प्रगति की समीक्षा की गई। सचिव ने ई-ऑफिस और अधिकार अधिनियम के तहत समयसीमा में सेवाएं देने व सीएम हेल्पलाइन 1905 की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

जईकों कमलपुर के बाल वैज्ञानिकों ने किया शानदार प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुरी : ब्लॉक स्तरीय विज्ञान महोत्सव में जनता इंटर कॉलेज, कमलपुर, संगलाकोटी के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और वैज्ञानिक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम पूरे क्षेत्र में गौरवान्वित किया है। महोत्सव के विभिन्न उप-विषयों और प्रतियोगिताओं में यहाँ के बाल वैज्ञानिकों ने शानदार सफलता हासिल की है।

बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी (उप विषय: बेहतर जीवन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता) में अक्षित रावत, उप विषय: हरित ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण में कनिका नेगी, उप विषय: गणितीय प्रतिरूपण एवं कम्प्यूटेशनल थिंकिंग में अभिषेक रावत, उप विषय: स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं साफ सफाई में निहारिका नेगी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उप विषय: स्वदेशी कृषि पद्धतियों में सूर्य प्रकाश ने तृतीय स्थान हासिल किया। उप विषय: ग्रामीण परिवर्तन के लिए विज्ञान में नूतन नेगी,



उप विषय: आपदा प्रबंधन में अंशिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त विज्ञान नाटक प्रतियोगिता के अंतर्गत हंसहासगंरी का संरक्षणाद्ह उप-विषय में भी विद्यालय की टीम ने बेहतरीन प्रस्तुति देते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस ऐतिहासिक और शानदार

सफलता पर विद्यालय परिवार, शिक्षकों और क्षेत्र में हार्दिक प्रशंसा का वातावरण है। सभी शिक्षकों और अभिभावकों ने विजेता छात्र-छात्राओं को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

क्विज प्रतियोगिता में अ.उ.रा.इ.का. देवीखेत ने मारी बाजी



जयन्त प्रतिनिधि। सतपुरी : राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विकासखंड द्वारिखाल की ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन बी.आर.सी कीर्तिखाल में किया गया। प्रतियोगिता में 13 विद्यालयों के 39 बच्चों ने प्रतिभागिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि

राजीव रावत प्रधानाचार्य अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, सुश्री शैलजा चमोली बीआरसी समन्वयक कीर्तिखाल, राकेश नेगी प्रधानाचार्य राइका कीर्तिखाल व श्रीमती मानवी कोटनाला ने दीप प्रज्वलित कर किया। क्विज प्रतियोगिता छः चरणों तक चली, जिसमें अ.उ.रा.इ.का. देवीखेत प्रथम, रा.उ.मा.वि रैंस द्वितीय तथा राइका चाक्यूसैण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता को सफल बनाने में आबिद अहमद राइका चाक्यूसैण, संदीप

नेगी इका काण्डाखाल, जसवीर नेगी अ.उ.रा. इंटर चैलूसैण, गणेश दत्त कुनियाल अ.उ.रा.इ.का. देवीखेत, चरण राइका सतपुरी, रूपेश कुकेरती राइका किनसुर, शीला ध्यानी राउमावि रैंस, राजेश भारद्वाज राइका द्वारिखाल, महेन्द्र सिंह राणा राइका किनसुर आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार। डॉ. पीतांबर दत्त बड़धवाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में शासनादेश के अनुपालन में BJMC विभाग एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का आयोजन पत्रकारिता एवं जनसंचार की विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति खरे द्वारा किया गया तथा छात्र छात्राओं से शपथ ग्रहण भी कराई गई। इस अवसर पर डॉ॰ आशा राम, इतिहास विभाग महाविद्यालय नोडल, नशा मुक्त भारत अभियान ने विद्यार्थियों को नशे के सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने



बताया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। महाविद्यालय के

प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी द्वारा विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा समाज में इसके विरुद्ध जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया।

दशहरे पर रावण दहन की तैयारियां तेज

श्रीनगर गढ़वाल : आदर्श रामलीला समिति की ओर से आयोजित रामलीला में दशहरे पर रावण दहन की तैयारियां तेज हो गई हैं। रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले बनाने का काम अंतिम चरण में है। इस बार रावण का पुतला 50 फीट से अधिक, मेघनाद का 40 फीट और कुंभकर्ण का पुतला 35 फीट से अधिक ऊंचा होगा। पुतले तैयार करने के लिए मुजफ्फरनगर के पुरकाजी से कारीगरों की टीम श्रीनगर पहुंची है। मोहम्मद उमर के नेतृत्व में यह टीम पिछले करीब 18 वर्षों से लगातार श्रीनगर में पुतले बनाने का काम कर रही है। टीम में उमर के बेटे जुनेद, राजू, रितिक समेत अन्य कारीगर शामिल हैं। टीम 29 सितंबर को श्रीनगर पहुंच गई थी। इसके बाद से ही पुतले तैयार करने का काम चल रहा है। रामलीला समिति की ओर से तीनों पुतलों, लंका निर्माण और आतिशबाजी के लिए कुल 1.80 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। (एजेंसी)



उत्कृष्ट कार्य करने वाले छावनी परिषद के सफाई कर्मचारी सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : छावनी परिषद लैंसडौन द्वारा मयूर सिनेमा टॉकीज में आयोजित विशेष कार्यक्रम में स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई निरीक्षक, छावनी परिषद के सफाई कर्मचारियों और स्वच्छता दूतों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छावनी परिषद लैंसडौन के अध्यक्ष एवं गढ़वाल राइफलस रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, सिविल जज प्रिया शाह ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के परिणामों के आधार पर शहरी विकास निदेशालय, उत्तराखंड देहरादून द्वारा प्रदत्त 7,500 की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर सफाई निरीक्षक दीपक मिश्रा को भी सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष उन्हें कमांड हाउस से भी स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जा चुका है। सम्मानित स्वच्छता दूतों में दीपक अग्रवाल, संजू कर्नौजिया और मणिपाल सिंह रावत सहित सफाई कर्मचारी शामिल हैं। छावनी परिषद ने बताया कि



समारोह का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नगर को स्वच्छ रखने में योगदान देने वालों का उत्साहवर्धन करना है। कार्यक्रम में

कैंट अधिकारी और छावनी परिषद कार्यालय के कर्मचारी और अन्य उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जंगल में बकरियां चराने गए व्यक्ति पर भालू ने किया हमला

नौगांव (उत्तरकाशी)। कफनौल गांव के जंगल में बकरियां चराने गए एक व्यक्ति पर भालू ने हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ में गए दूसरे व्यक्ति के शोर मचाने पर भालू भाग गया। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण जंगल पहुंचे और घायल रणवीर सिंह को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कफनौल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए प्रशासन से हेली एंबुलेंस की मांग की गई। इसके बाद घायल को कफनौल से करीब आठ किलोमीटर दूर धारी कलोगी से एयरलिफ्ट कर हेली एंबुलेंस के माध्यम से हायर सेंटर देहरादून भेजा गया।

जानकारी के अनुसार, कफनौल गांव निवासी रणवीर सिंह कफोला (50) बकरियों को लेकर गांव से कुछ दूरी पर स्थित जंगल में गए थे। इसी दौरान झाड़ियों में

संक्षिप्त

समाचार

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो 17-22 अक्टूबर तक उज्बेकिस्तान और भारत की यात्रा करेंगे, जामनगर का दौरा भी होगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने के लिए अगले हफ्ते भारत के दौरे पर जाएंगे. अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी. रुबियो पहले उज्बेकिस्तान के समरकंद जाएंगे और फिर 17-22 अक्टूबर तक भारत के मुंबई और जामनगर जाएंगे, ऐसा बताया गया. मई के बाद से यह रुबियो का दूसरा भारत दौरा होगा, जब उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर की होस्ट की गई व्हाइ फॉरेन मिनिस्टर्स की मीटिंग में हिस्सा लिया था. विदेश मंत्रालय ने कहा, 'वह अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, क्षेत्रीय और वैश्विक आयाम पर विचारों का आदान-प्रदान करने और बेहतर ऊर्जा सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मिलेंगे.' इसमें कहा गया है कि रुबियो व्यावसायिक निवेश और आर्थिक सहयोग के मौकों को बढ़ावा देने के लिए बिजनेस लीडर्स से भी मिलेंगे. रुबियो का जामनगर दौरा बहुत जरूरी है क्योंकि यह रिलायंस की रिफाइनरी का घर है, जो दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल-साइट फैसिलिटी है, जिसकी कैपेसिटी हर दिन 1.4 मिलियन बैरल क्रूड ऑयल प्रोसेस करने की है. मार्च में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनाउंस किया था कि अमेरिका रिलायंस इंडस्ट्रीज के इन्वेस्टमेंट से 50 साल में अपनी पहली रिफाइनरी बनाएगा.

फलाईरुबई मामले के बाद पाकिस्तान के पायलटों पर एक्शन, इजराइल जाने वाली फ्लाइट्स उड़ाने पर फ्रांस ने लगाई रोक

आबुधाबी, एजेंसी। एयर फ्रांस एयरलाइन ने पाकिस्तान के पायलटों और कैबिन क्रू (फ्लाइट स्टाफ) को इजराइल आने-जाने वाली फ्लाइट्स को उड़ाने या उनमें काम करने से मना कर दिया है. एयर फ्रांस उन नियमों का कड़ाई से पालन कर रही है, जिनके तहत जिन देशों के आपस में राजनीतिक या कूटनीतिक संबंध नहीं हैं जैसे पाकिस्तान और इजराइल, उनके नागरिकों को उस रूट पर ड्यूटी नहीं दी जाएगी. अमेरिकी एयरलाइन यूनाइटेड एयरलाइंस और चेक एयरलाइन स्मार्टफिंस ने भी इन नियमों का पालन करना शुरू कर दिया है. ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि राष्ट्रीयता के आधार पर लगाई गई पाबंदियां अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन संचालन को कैसे प्रभावित कर सकती हैं. इस सख्ती के पीछे की वजह 30 सितंबर, 2026 को दुबई से तेल अवीव जाने वाली फलाईरुबई की घटना को माना जा रहा है. फ्लाइट में आंमन के को-पायलट ने कॉकपिट में किए गए हमले के बाद बरती जा रही है. आरोप है कि को-पायलट ने फ्लाइट पर कंट्रोल करने की कोशिश में भारतीय कैप्टन पर हमला किया था. आंमन भी उन देशों की सूची में शामिल है, जिसके इजराइल देश के साथ कोई आधिकारिक या राजनीतिक संबंध नहीं हैं. फ्रांस के खोजी मीडिया संस्थान 'मीडियापार्ट' और एविएशन इंटेलिजेंस कंपनी ने 13 अक्टूबर 2026 को अपनी रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी है. इन रिपोर्टों के अनुसार, एयर फ्रांस और यूनाइटेड एयरलाइंस ने अपने सभी पायलटों और कैबिन क्रू को इस रूट पर लागू गए नए सुरक्षा प्रतिबंधों के बारे में पूरी जानकारी दे दी है।

होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के दो कंटेनर जहाजों पर हमला, एक समुद्र में डूबा; सभी 43 क्रू मेंबर सुरक्षित

सिंगापुर , एजेंसी। ईरान और अमेरिका के टकराव के कारण मध्य एशिया के लिए ऊर्जा का प्रमुख मार्ग होर्मुज स्ट्रेट संवेदनशील बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रही जहाज सुरक्षित नहीं है। इसी बीच इस मार्ग से गुजर रहे सिंगापुर में पंजीकृत दो कंटेनर जहाजों पर मंगलवार और बुधवार को अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला किए जाने की खबर है। इस घटना में एक जहाज में आग लगने के बाद वह डूब गया, जबकि दूसरे जहाज को भी नुकसान पहुंचा। बुधवार को सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण ने यह जानकारी दी। सिंगापुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार जीएफएस प्राइड नामक जहाज हमले में क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई, जिसके बाद वह डूब गया। जहाज पर सवार सभी 21 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दूसरे जहाज जीएफएस मिनेज़ के बाहरी ढांचे को नुकसान पहुंचा। हालांकि, जहाज अपने इंजन की मदद से सुरक्षित बंदरगाह तक पहुंचने में सफल रहा। इस जहाज पर चालक दल के 22 सदस्य सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। एमपीए ने बताया कि दोनों जहाजों में कोई सिंगापुरी नागरिक सवार नहीं था।

नाबालिग बच्चियों का वीडियो बनाने वाले कोच को 90 साल की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नाबालिग जिम्नार्स्ट खिलाड़ियों की निजता से खिलवाड़ करने वाले पूर्व कोच सीन गार्डनर को 90 साल जेल की सजा सुनाई गई है। उसने मिसिसिपी के एक ज़िम के बाथरूम में जासूसी कैमरा लगाकर लड़कियों के कपड़े बदलने और बाथरूम इस्तेमाल करने के वीडियो बनाए थे। बुधवार को अमेरिकी जिला अदालत की जज क्रिस्टी जॉनसन ने उसे अधिकतम सजा सुनाई। 39 वर्षीय गार्डनर को तीन मामलों में 30-30 साल की कैद दी गई है।

बाथरूम में कैमरा लगाकर बनाए वीडियो : गार्डनर ने अदालत में अपना जुर्म कबूल

कर लिया था। उसने दिसंबर 2017 से अप्रैल 2018 के बीच मिसिसिपी के प्यूरीस स्थित जिम्नार्स्टिक्स स्टूडियो के बाथरूम में जासूसी कैमरा लगाया था। जांचकर्ताओं के मुताबिक, उसने कम से कम 10 नाबालिग लड़कियों के नग्न होने और कपड़े बदलने के वीडियो बनाए। ये वीडियो कई साल बाद उसके कंप्यूटर से बरामद हुए थे।

आयोवा में भी लगे यौन शोषण के आरोप : गार्डनर आयोवा के वेस्ट डेस मोडर्नेस स्थित चाउज जिम्नार्स्टिक्स एंड डांस इंस्टीट्यूट में भी कोच रह चुका था। वहां प्रशिक्षण लेने वाली कई पूर्व छात्राओं ने उस पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। इन आरोपों को



लेकर पुलिस में शिकायतें की गईं और अदालत में मुकदमे भी दायर हुए हैं। हालांकि, आयोवा से जुड़े आरोपों में गार्डनर पर अब तक आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि संघीय मामला खत्म होने के बाद आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा।

खेल संगठनों की भूमिका

पर उठे सवाल : गार्डनर मशहूर कोच लियांग 'चाउ' चियाओ के संस्थान में काम करता था। वह युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के साथ आयोवा में आयोजित होने वाली एक बड़ी वार्षिक प्रतियोगिता का निदेशक भी था। ऐसे में उसके खिलाफ लगे आरोपों ने अमेरिकी जिम्नार्स्टिक्स जगत को झकझोर

ट्रंप की नई प्रेस सचिव की डिग्री पर उठे सवाल? खुद को लेकर कर रहीं वकील होने का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई प्रेस सचिव केटी जकारिया इन दिनों अपनी योग्यता को लेकर विवादों में हैं। खुद को वकील बताने वाली जकारिया के पास कानून की डिग्री तो है, लेकिन अब तक ऐसा कोई रिकॉर्ड सामने नहीं आया है, जिससे साबित हो कि उन्होंने अमेरिका के किसी राज्य में वकालत का लाइसेंस हासिल किया है। चीन की एक लॉ फर्म में काम करने के उनके दावे पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ट्रंप के सामने सवाल, जवाब अधूरा : मंगलवार को पहली बार प्रेस सचिव के तौर पर मीडिया के सामने आई जकारिया को अपने प्रदर्शन के लिए आलोचना झेलनी पड़ी। इसके बाद पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि उन्होंने किस राज्य में वकालत की परीक्षा पास की है। ट्रंप ने जवाब देने के लिए जकारिया को आगे कर दिया। उन्होंने कहना शुरू किया, "जब मैं चीन गई थी..." लेकिन मरीन वन हेलीकॉप्टर की आवाज के कारण उनकी बात पूरी तरह सुनाई नहीं दी। यह भी साफ नहीं हो सका कि वह आगे क्या कहना चाहती थीं।

डिग्री है, लेकिन लाइसेंस का रिकॉर्ड नहीं : जकारिया ने 2007 में पेपरडाइन यूनिवर्सिटी से स्नातक और 2011 में पेपरडाइन कारसो स्कूल ऑफ लॉ से कानून की डिग्री हासिल की थी। हालांकि, कानून की



डिग्री होना और वकालत का लाइसेंस मिलना अलग-अलग बातें हैं। व्हाइट हाउस ने उनके बयान के हवाले से कहा कि उन्होंने सभी जरूरी योग्यताओं के साथ अंतरराष्ट्रीय लेनदेन से जुड़े कानून के क्षेत्र में काम किया है। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने भी उनका बचाव करते हुए उन्हें बेहद योग्य और तेज दिमाग वाला बताया।

चीन की लॉ फर्म में भी किया काम : जकारिया की लिंकडइन प्रोफाइल के मुताबिक, वह जून 2026 से ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप में वरिष्ठ संचार सलाहकार थीं। इससे पहले वह अमेरिकी गुप्त सुरक्षा विभाग में भी काम कर चुकी हैं। उनकी प्रोफाइल में

2011 से 2013 के बीच बीजिंग की झोंग लुन लॉ फर्म में अंतरराष्ट्रीय कानूनी मामलों से जुड़े काम का जिक्र है। इसके अलावा, वह प्रवासी मजदूरों के बच्चों के लिए काम करने वाले संगठन और कैलिफोर्निया के एक राजनीतिक संगठन से भी जुड़ी रही हैं। उनके पुराने परिचय में विश्व बैंक और इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन से जुड़े मामलों में कानूनी सलाह देने के अनुभव का भी दावा किया गया है।

50 राज्यों में नहीं मिला लाइसेंस का रिकॉर्ड : कैलिफोर्निया स्टेट बार के प्रवक्ता के मुताबिक, संस्था के पास केट शेरोन जकारिया या केट शेरोन ब्लैक नाम से वकालत का लाइसेंस होने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। स्वतंत्र मीडिया संस्थान पॉपुलर इन्फर्मेंशन ने भी दावा किया कि अमेरिका के सभी 50 राज्यों और वॉशिंगटन डीसी में उनके लाइसेंस का रिकॉर्ड नहीं मिला। इसके बाद निगरानी संगठन कैपेन फॉर अकाउंटेबिलिटी ने कैलिफोर्निया स्टेट बार में शिकायत उकेर मामले की जांच की मांग की। संगठन का कहना है कि बिना लाइसेंस के खुद को वकील बताना कानून का उल्लंघन हो सकता है।

फिलहाल, स्टेट बार ने गोपनीयता नियमों का हवाला देते हुए शिकायत या जांच की पुष्टि नहीं की है। ऐसे में जकारिया की पेशेवर योग्यता पर विवाद बना हुआ है।

अमेरिका ने यूक्रेन को मझाधार में छोड़ा?: जैलेत्स्की ने ट्रंप के सलाहकारों पर उठाए सवाल

लंदन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लाडिमिर जैलेत्स्की ने बुधवार को रूस के साथ डीजल आपूर्ति समझौते को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना की। जैलेत्स्की ने कहा कि रूसी ईंधन आयात करने पर सहमत होकर वाशिंगटन ने गलत पक्ष चुना है। उन्होंने ट्रंप से गैररूसी के खिलाफ युद्ध में कौी का समर्थन करने की अपील की। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, ब्रिटिश शो 'पियर्स मॉर्गन अनसेंसर्ड' पर जैलेत्स्की ने कहा, "जब राष्ट्रपति ट्रंप हमारा पक्ष नहीं, बल्कि किसी एक पक्ष का साथ देते हैं, तो यह दुष्टद होता है। लेकिन हमें इस बात से कोई आपत्ति नहीं है कि वह बीच का रास्ता अपना रहे हैं। लेकिन अगर आप बीच का रास्ता अपनाते हैं तो आपको बीच में ही रहना होगा। गलत पक्ष में नहीं।' जैलेत्स्की ने इस घुंटे पर ट्रंप को मिल रही सलाह पर भी सवाल उठाया और कहा, 'मुझे लगता है कि उनके हस्ताक्षर गलत हैं। मुझे नहीं पता कि उन्हें कौन उकसा रहा है। सभी पक्ष की ओर नहीं, यह इतिहास का सभी पक्ष नहीं है।' साक्षात्कार में जैलेत्स्की ने कहा कि इस घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि यूक्रेन एक महत्वपूर्ण सहयोगी का समर्थन रख रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक समझौते की घोषणा के बाद आई है।

अमेरिका में हिंदू मंदिर पर हमले की साजिश नाकाम: दूतावास ने पुलिस की तारीफ



एलेक्जेंड्रोस पैपोराकिस को एक हिंदू मंदिर में संभावित सामूहिक गोलीबारी की धमकियों की जांच के बाद गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में हो रहा 11 अक्टूबर को शुरू हुई, जब माउंट प्रिंसेप्ट पुलिस विभाग ने पैलेटाइन पुलिस विभाग को एक हिंदू मंदिर में संभावित सामूहिक गोलीबारी की जानकारी दी। यह जानकारी एक व्यक्ति से मिली थी, जिसने बताया

तस्वीरें भी साझा की थीं। पैपोराकिस को उसके घर से निकलते समय दूध निकाला गया और हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद, पैलेटाइन पुलिस के जासूसों ने उसके घर की तलाशी ली। बरामद की गई वस्तुओं में बांडी आभरं से लैस एक सामरिक जैकेट और श्वेत वस्त्रवादी सूट शामिल था। इसमें श्वेत वस्त्रवादी और चरमपंथी विचारों से जुड़े बयान होने की बात कही गई है। दस्तावेज में भारतीय मूल के लोगों सहित दक्षिण एशियाई समुदाय के लोगों के खिलाफ हिंसा का भी जिक्र था, जिसमें एक हिंदू मंदिर में सामूहिक गोलीबारी करने की कथित योजना की जानकारी थी। उसने राइफल, राइफल मैगजीन, बाँड़ी आभरं (सुरक्षा कवच) और अन्य सामरिक उपकरणों व सामान की

यूक्रेन में स्टारलिनक पर पाबंदी से घिरे मस्क: रूस के हमलों के बीच उठे सवाल

कीव, एजेंसी। रूस के हमलों के बीच यूक्रेन में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिनक को लेकर ऐसा विवाद खड़ा हो गया है, जिसने दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में शामिल एलन मस्क को कटघरे में ला खड़ा किया है। आरोप है कि यूक्रेन में इस सेवा पर लगी पाबंदियों से यूक्रेनी सेना के संचार और सैन्य अभियानों पर असर पड़ा है। अमेरिकी सांसदों ने भी इस कदम पर सवाल उठाए हैं। अब बहस सिर्फ इंटरनेट सेवा की नहीं, बल्कि इस तर्क की है कि क्या कोई निजी कंपनी वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर कहा, 'हमें 'एमटी जेम नंबर 2' जहाज से जुड़े हार्दस के कानूनी जानकारी मिली, जिसमें 22 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे।



जैलेत्स्की ने भी इस मामले पर नाराजगी जताई। ब्रिटिश पत्रकार फियर्स मॉर्गन के कार्यक्रम में बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि रात करीब एक बजे स्टारलिनक की सेवाएं रोक दी गई थीं। उनके मुताबिक, इसका असर यूक्रेन की सैन्य गतिविधियों और रूसी हमलों से बचाव की कोशिशों पर पड़ा। जैलेत्स्की ने कहा कि यह सेवा सिर्फ दुश्मन पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाने के लिए भी जरूरी है। उन्होंने आशंका जताई कि संचार व्यवस्था में बाधा आने से रूसी हमलों को रोकने में मुश्किल हुई और लोगों को जान देने का खतरा बढ़ा। उन्होंने मस्क के फैसले को बड़ी गलती बताया। मस्क ने स्टारलिनक और स्टारशील्ड में बताया अंतर विवाद बढ़ने पर एलन मस्क ने सफाई देते हुए स्टारलिनक और स्टारशील्ड को अलग-अलग सेवाएं बताया। उनके अनुसार, स्टारलिनक स्पेसएक्स की व्यावसायिक सेवा है, जिसका इस्तेमाल नागरिक और रक्षात्मक गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। मस्क का कहना है कि व्यावसायिक सेवा का इस्तेमाल आक्रामक सैन्य कार्रवाई के लिए करना उचित नहीं होगा। वहीं, स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के स्वामित्व और नियंत्रण वाली सैन्य संचार प्रणाली है।

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के तरीकों की सफलता मुख्यतया हानिकारक कीट एवं मित्र कीटों की निगरानी के आधार पर कीट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के एकीकरण कर सही निर्णय को लागू करने के ऊपर निर्भर है।

फसल चक्र अपनाकर कीट नियंत्रण

किसी भी खेत में सब्जियों को लगाते समय उचित फसल-चक्र अपनाना चाहिए जिससे एक ही कुल की सब्जी को पुनः नहीं लगाना चाहिए। इस विधि से निरन्तर जीवन चक्र , अपेक्षाकृत संख्या एवं क्षति स्तर कम किया जा सकता है।

बुवाई व पौध रोपण के समय में परिवर्तन करके- कीटों के प्रति फसल की मुलायम अवस्था को ध्यान में रखकर फसल की बुवाई तथा रोपाई के समय में परिवर्तन करके अधिक हानि से बचाया जा सकता है। सब्जियों की बुवाई व रोपाई के समय में परिवर्तन कर लाल भुंग कीट, फल मक्खी, तना एवं फल छेदक कीट के प्रकोप को कम किया जा सकता है। पौधों की बुवाई व रोपाई ऐसे समय में करना चाहिए, जब पौधों की नाजुक अवस्थाएँ एवं हानिकारक कीटों की निष्क्रिय अवस्थाएँ समानान्तर हों।

सस्य क्रियाओं द्वारा कीट प्रबंधन

कीट प्रबंधन में इस घटक के ऊपर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता है, साथ ही यह पर्यावरण को सुरक्षित व अधिक टिकाऊ बनाता है। सस्य क्रियाओं का चयन ऐसा होना चाहिए जिससे नाशीकीटों के ऊपर एकीकृत एवं मित्र कीटों के ऊपर अनुकूल प्रभाव पड़े। इसके अन्तर्गत उचित किस्मों का चयन, बुवाई एवं रोपाई के समय में परिवर्तन, कीट-प्रपंच, फसल चक्र एवं अन्तः फसलों का सही चुनाव आदि शामिल है।

अवरोधी एवं सहनशील किस्मों का उपयोग

किसी क्षेत्र के नाशीकीट एवं मित्र कीटों की विविधता एवं सघनता के आधार पर अवरोधी या सहनशील किस्मों का चुनाव समन्वित कीट प्रबंधन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस प्रकार चयनित किस्मों में अपेक्षाकृत कीटों का प्रकोप कम होता है तथा रासायनिक दवाओं के उपयोग में भी कमी आती है। यह विधि सबसे सरल, सस्ती व दुष्प्रभाव रहित है।

ग्रीष्मकालीन जुताई

गर्मी के मौसम में गहरी जुताई करके सुषुप्ता अवस्था में पड़े कीड़ों को नष्ट करना एक प्रभावी नियंत्रण विधि है। फसल की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई करके फल मक्खी, कद्दू का लाल भुंग तथा कटुआ कीट के जीवन चक्र को नष्ट कर उनकी सक्रियता को कम किया जा सकता है।

अन्तः फसलीकरण

सब्जियों की फसल के बीच में अन्तः फसलीकरण की



सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबंधन

क्रिया के द्वारा भी कीटों के प्रकोप को कम किया जा सकता है। अन्तः फसलीकरण में लगाए गए भिन्न-भिन्न प्रकृति के पौधों द्वारा छोड़े जाने वाले जैव रसायन से कीटों के प्रौढ़ दूर भागते हैं तथा उनके द्वारा अण्डा देने की क्रिया भी कम हो जाती है। इस प्रकार के पौध रोपण प्रक्रिया से परभक्षी एवं परजीवी कीटों की क्रियाशीलता को बढ़ाती है। टमाटर एवं गोभी की अन्तः फसलीकरण से इन दोनों सब्जियों में कीट अकेले की अपेक्षा कम लगते हैं।



से इन्हीं कारकों का प्रभावी ढंग से समन्वित कीट प्रबंधन में प्रयोग होता है, तथा मित्र कीटों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। बहुत सारे परभक्षी व परजीवी कीट प्राकृतिक दशा में मित्र कीट के रूप में पाये जाते हैं, जो हानिकारक कीटों के विभिन्न अवस्थाओं को क्षति पहुँचाते हैं। एक हेक्टेयर टमाटर की फसल को फलछेदक कीट से रोकथाम के लिए 2,50,000 ट्राइकोग्रामा परजीवी कीट का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार क्राइसोपेला कारनिया नामक परभक्षी कीट को 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिन के अन्तराल पर तीन बार छोड़ने से सफेद मक्खी, हरा फुदका, माहू आदि से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कीटों के प्राकृतिक षत्रु को प्रयोगशाला में अधिक संख्या में उत्पादन कर, उसे सफलतापूर्वक, आवश्यकतानुसार फसलों पर छोड़कर विषैले रसायनों के उपयोग में कमी लायी जा सकती है।

कीटों को आकर्षित करने वाली फसलों का उपयोग

मुख्य फसल के साथ ऐसी फसलों को लगाना चाहिए, जिनको कीट मुख्य फसल की अपेक्षा अधिक पसंद करते हैं। आकर्षित करने वाली फसलों को मुख्य फसल में लगाकर बिना किसी रसायन के प्रयोग से मुख्य फसल को आसानी से कम लागत में उगाया जा सकता है। क्योंकि मुख्य फसल पर लगने वाले कीड़े आकर्षक फसलों पर आ जाते हैं, जिनको आसानी से नष्ट किया जा सकता है। गोभीवर्गीय फसलों को हरी सूड़ी एवं पुर्ण जालक कीट के नियंत्रण के लिए सरसों का तथा टमाटर में लगने वाली फल छेदक कीट के रोकथाम के लिए गेदे के फसल को आकर्षक फसल के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

सब्जी में जैविक विधि से कीट नियंत्रण

समन्वित कीट प्रबंधन में जैविक नियंत्रण एक प्रमुख घटक है। किसी भी परिस्थिति में मित्र कीट एवं अन्य सूक्ष्म जीव मुख्यतया हानिकारक कीटों की संख्या को प्राकृतिक रूप से सीमित रखने में सहायता करते हैं। जैविक नियंत्रण

सूक्ष्म जीव द्वारा फसलों की सुरक्षा

सूक्ष्म जीव कीटनाशियों के अन्तर्गत जीवाणु, कवक और विषाणु का प्रयोग करके हानिकारक कीटों में रोग उत्पन्न कर उनका नियंत्रण किया जा सकता है। यह रोग हानिकारक कीड़ों में महामारी की तरह फैलता है जिससे कीड़े मर जाते हैं। सूक्ष्म कीटनाशियों में बी.टी. का प्रयोग व्यवहारिक स्तर पर किया जा रहा है। जिसके प्रयोग से गोभी का हिरक पृष्ठ कीट, भिण्डी का तना एवं फल छेदक कीट, टमाटर का फल बेधक कीटों का नियंत्रण संभव हुआ है।

यात्रिक विधि से कीटों का नियंत्रण

कुछ कीट जिनको आसानी से देख जा सके उन्हें पकड़कर मार देना चाहिए। हड्डा बीटल, तम्बाकू की सूड़ी के अण्डे तथा तना व फल को भेदकर खाने वाली सूड़ी (बैगन व भिण्डी के फल छेदक कीट) को बहुत आसानी से देखकर कीट की विभिन्न अवस्थाओं को नष्ट कर देने से इनसे होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। कीट नियंत्रण की इस विधि में लागत कम आती है एवं यह विधि सुरक्षित भी है।

रसायनों का सुरक्षित एवं आवश्यक मात्रा का प्रयोग

रसायनों का अनियमित और अत्यधिक प्रयोग करने से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता का विकास हो जाता है। साथ ही हानिकारक रासायनिक अवशेषों की वातावरण में वृद्धि होती है। समन्वित कीट प्रबंधन में यदि दूसरे कारकों के साथ सही संतुलन बनाकर सुरक्षित रसायनों की सही मात्रा एवं उचित अंतराल पर छिड़काव किया जाय तो कीटनाशी रसायन बहुत प्रभावी होता है। विभिन्न कीटनाशियों का अलग-अलग प्रतीक्षकाल होता है। इसलिए दवा छिड़कने के बाद प्रतिक्षालाल के बाद फल की तुड़ाई करने से रासायनिक अवयवों के अवशेष नहीं रहते हैं।

अरहर को कीट-रोग से बचाएं

कीट प्रबन्धन



चने की इल्ली: इल्लियाँ हरे से भूरे रंग की एवं शरीर के किनारों पर हल्की या गहरी लहरदार धारियाँ पाई जाती हैं। इसकी इल्लियाँ प्रारम्भिक अवस्था में पत्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं तथा बाद की अवस्था में फल्ली में गोलाकार छेद बनाकर अपना सिर फल्ली में घुसाकर दाने को खाती हैं।

फल्ली मक्खी

इस कीट के वयस्क काले रंग के तथा आकार में घरेलू मक्खी से छोटे होते हैं। इसकी इल्लियाँ दाने में सुरंग बनाकर क्षति पहुँचाती हैं तथा क्षतिग्रस्त दानों में फर्फूद का प्रकोप होने से यह खाने लायक नहीं रहती। क्षतिग्रस्त फल्लियाँ सूखकर सिकुड़ जाती हैं।

पोड बग

इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों फल्ली से रस चूसकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिसमें फल्लियों में काले धब्बे बन जाते हैं। हरी फल्लियाँ गिर जाती हैं एवं फल्लियों में दाने सिकुड़े हुये, छोटे एवं कम संख्या में पाये जाते हैं।



रोग प्रबन्धन

उकठा (विल्ट)

यह रोग प्यूजेरियम उडम नामक कवक द्वारा होता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में रोग का प्रकोप सर्वाधिक होता है। रोगी पौधा एकाएक पीला पड़कर सूखने लगता है।

रोकथाम के उपाय

रोग से बचने के लिये गर्मी में गहरी जुताई व निरोधक जातियाँ जैसे- सी.- 11, जे.ए.-4, आशा, राजीव लोचन आदि लगाना चाहिये।

झुलसा रोग

इस रोग का प्रकोप, जहाँ पानी ठहरता है, वहाँ अधिक होता है। रोग के कारण पत्तियों पर पहले पनीले धब्बे बनते हैं। कॉलर भाग में भूरे विक्षत बनते हैं। विक्षत भाग से पौधा टूट कर सूख जाता है। फसल को मादा कूड़ विधि से लगाये, बीज मादा में बोये। खेत से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। निंदाई- गुड़ाई समय पर अवश्य करें तथा अनावश्यक पौधे को निकाल दें ताकि उनका आवागमन अच्छ हो जिससे ज्यादा नमी न रहे। गमी की गहरी जुताई करें और संभव हो तो मिट्टी का सूर्यताप द्वारा मिट्टी का 6-7 सप्ताह के लिए निर्जीवीकृत करे ऐसा करने से मृदा जनित रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें

चने की इल्ली व शंखी तेज धूप में मर जाती हैं तथा शिकारी पक्षियों द्वारा खा ली जाती हैं।

- फसल की बोनी जून माह में करने से फल्लीभेदक कीटों के प्रकोप में कमी आती है।
- ज्वार की अन्तवर्तीय फसल के रूप में तथा मक्का की ऊँची किस्म को खेत के बॉर्डर पर उगाएँ। ये फसलें प्राकृतिक शत्रुओं के छिपने तथा शिकारी पक्षी उन पर बैठकर बड़ी संख्या में इल्लियों का भक्षण करते हैं।
- गेंदा को ट्रेप फसल के रूप में बॉर्डर पर उगाएँ। इससे चने की इल्ली के प्रकोप में कमी आती है।
- खेतों में चिड़ियों के बैठने हेतु 'टी' आकार की खूँटी 50 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें।
- प्रकाश प्रपंच फसल से 10-15 मीटर की दूरी पर लगाएँ तथा सायं 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलाएँ।
- चने की इल्ली की निगरानी के लिये पाँच फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 30 दिनों बाद लगाएँ।
- फसल की सतत् निगरानी करते रहें तथा कीटों का आर्थिक स्तर आने पर निम्नलिखित उपाय करें।
- चने की इल्ली: 5 अण्डे या तीन छोटी इल्लियाँ/पौधा या 1 इल्ली/ 5 शाखाओं या 5-6 प्रौढ़/प्रपंच/दिन।

सोयाबीन में बीमारी-कीट का नियंत्रण

बैक्टीरियल प्स्यूल की समस्या होने पर कासुरोमेसिन 0.2 प्रतिशत, कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2 प्रतिशत, या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

गेरूआ रोग से बचाव के लिये हेक्जाकोनेजोल 5 ई.सी. या प्रोपाकोनेजोल 5 ई.सी. या ट्राईएडमिफान 25 डब्ल्यू. पी. या कापर आक्सीक्लोराइड 20 ई.सी. रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत 0.1 प्रतिशत की दर से 40-45 दिन की फसल होने पर छिड़काव करें। इस छिड़काव से पौधे पूरी तरह भीगने चाहिए तथा 500-700 लीटर पानी प्रति हे. प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार 15-20 दिन में छिड़काव दोहराना चाहिए।



कीट नियंत्रण

सोयाबीन फसल में कई कीटों का प्रकोप विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इन कीटों में तने की मक्खी व चक्रभुंग (तना छेदक कीट), अर्ध कुन्डलक इल्ली, कम्बल कीट, तम्बाखू की इल्ली, अलसी की इल्ली, चने की फली छेदक (पत्ती भक्षक कीट), एवं सफेद मक्खी, जेसिड्स माइट्स और थिप्स (रस चूसक) प्रमुख हैं।

इनके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित हैं

- फेरोमोन ट्रेप्स लगाने से वयस्क कीट (उड़ने वाले) आकर्षित होकर ट्रैप में गिर जाते हैं जिससे इल्लियों जैसे कीटों का नियंत्रण संभव है।
- तम्बाखू की इल्ली, एवं कम्बल कीट के नियंत्रण के लिये प्रभावित पौधों से अंडगुच्छ एवं लार्वीगुच्छ वाली पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें। जब हम खेत का निरीक्षण करते हैं तब कागज की तरह या जालीदार पत्तियाँ जैसे ही दिखें वहाँ पत्तियों के नीचे अंड गुच्छ या लार्वीगुच्छ मिल जायेंगे, इस प्रकार की पत्तियों या पूरे पौधे को धीरे से इकट्ठा करें एवं बोरी में डालते जायें तथा अन्त में खेत से बाहर लाकर नष्ट कर दें। जिस जगह पर इस प्रकार की पत्तियाँ मिलें उसके चारों तरफ कीटनाशक का छिड़काव तुरंत करें।

तना छेदक मक्खी एवं सफेद मक्खी

फोरेट 10 जी. दानेदार दवा को 10 कि.ग्रा. प्रति हे. के हिसाब से जुताई के समय मिट्टजे में मिला दें। या थायोमेथोक्जाम 70 डब्ल्यू. एस. 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बोनी पूर्व बीज उपचारित करें।

गर्दल बीटल (चक्रभृंग एवं पत्ती छेदक)

ट्रायजोफास 40 ई.सी. दवा 800 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें। या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी., 300 मि.ली. प्रति

छिड़काव करें।

पत्ती भक्षक कीट

स्पायनोसेड 45 एस.सी. 125 मि.ली. प्रति हे. या रायनेक्सीपीर 20 एस.सी. 100 मि.ली. प्रति हे. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. या क्युनालफास 25 ई.सी. 1500 मि.ली. प्रति हे. या इंडोक्साकार्ब 15 ई.सी. 300 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जेसिडस, एफिड, माइट्स

इथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना मक्खी एवं सफेद मक्खी

थायामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी.100 ग्राम प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जैविक कीटनाशक

- बैवेरिया बेसियाना या बीटी, 1 लीटर प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से पत्ती भक्षक इल्लियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- एच.ए.एन.पी.व्ही. या एस.आई.एन.पी.व्ही. की 250 एल.ई. प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से भी पत्ती भक्षक कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।



सोने—चांदी की कीमतों में तेजी से बाजार में हलचल

देहरादून। देश में त्योहारी सीजन और शादी—विवाह के मद्देनजर सोना—चांदी खरीदने की तैयारी कर रहे लोगों के लिए सर्राफा बाजार से अहम खबर सामने आई है। घरेलू वायदा बाजार में दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी दर्ज किए जाने से बाजार में हलचल बढ़ गई है। सोने और चांदी के भाव में उतार—चढ़ाव का सीधा असर आम खरीदारों, आभूषण कारोबारियों और निवेशकों पर पड़ सकता है। ऐसे में खरीदारी से पहले ताजा भाव, स्थानीय बाजार की दौरे और आभूषणों पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क की जानकारी लेना जरूरी है।

सोने के वायदा भाव में 1,353 की बढ़त

उपलब्ध बाजार आंकड़ों के अनुसार, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव में 1,353 की तेजी दर्ज की गई। इसके बाद कीमत 1,47,201 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गई। कारोबार के दौरान 1,567 लॉट का लेनदेन दर्ज होने की जानकारी दी गई है।

कीमतों में इस तेजी के पीछे घरेलू मांग, वैश्विक बाजारों के संकेत और निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों को संभावित कारक माना जा रहा है। हालांकि, सोने की कीमतों में आगे भी तेजी जारी रहेगी या बाजार में गिरावट आएगी, इसका निश्चित असमान लगाना संभव नहीं है।

चांदी भी 2.08 लाख प्रति किलोग्राम के पार

विजयदशमी को तय होगी बदरीनाथ मंदिर के कपाट बंद होने की तिथि



गोपेश्वर। बदरीनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने की तिथि विजयदशमी 20 अक्टूबर को तय होगी। वीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरेश गोड़ ने बताया कि भगवान बदरीविशाल के भोग के बाद मंदिर परिसर में धार्मिक समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें पंचांग गणना के बाद कपाट बंद होने की तिथि घोषित होगी। इससे पहले नवरात्रि और उर्वशी माता की पूजा का समापन हवन—यज्ञ के साथ होगा। इसी दिन कपाट बंद होने से पूर्व होने वाली पंच पूजाओं का कार्यक्रम भी तय किया जाएगा।

भगवान उद्धव और कुबेर की डोलियों के पांडुकेश्वर तथा गरुड़ भगवान व आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी के ज्योतिर्मठ प्रस्थान की तिथि भी निर्धारित होगी। इस अवसर पर वीकेटीसी पदाधिकारी, अधिकारी, तीर्थ पुरोहित और श्रद्धालु मौजूद रहेंगे।

कबूतर की डोलियों के पांडुकेश्वर तथा गरुड़ भगवान व आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी के ज्योतिर्मठ प्रस्थान की तिथि भी निर्धारित होगी। इस अवसर पर वीकेटीसी पदाधिकारी, अधिकारी, तीर्थ पुरोहित और श्रद्धालु मौजूद रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार विधानसभा सत्र के लिए वाहनों का अधिग्रहण शुरू

कर्णप्रयाग। प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैण के भगड़ीसैण में आगामी विधानसभा सत्र के लिए परिवहन विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। विभाग सत्र के लिए जिले से 150 बड़ी बसें और 30 से अधिक टैक्सी वाहनों की व्यवस्था करेगा। वाहनों के अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।आगामी 27—28 अक्टूबर को भगड़ीसैण में विधानसभा सत्र आयोजित होगा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी आनंद जायसवाल ने बताया कि सत्र के लिए वाहनों का अधिग्रहण किया जा रहा है। ये वाहन विभागीय कर्मियों, पुलिस बल और अन्य कार्यों के लिए उपयोग किए जाएंगे। टैक्सी—मैक्सी वाहनों की व्यवस्था भी की जा रही है। जिला प्रशासन के निर्देशों के अनुसार वाहनों के अधिग्रहण की प्रक्रियाएं एक सप्ताह में पूरी की जाएंगी।

कर्णप्रयाग अस्पताल में ब्लड बैंक नहीं, 40 किमी दूर से कर रहे व्यवस्था

कर्णप्रयाग। कर्णप्रयाग अस्पताल में भर्ती सोनम पुंडीर (28) को खून की जरूरत थी। मगर अस्पताल में ब्लड बैंक और पैथोलॉजिस्ट न होने के कारण परिजनों को करीब 40 किमी दूर गोपेश्वर से खून की व्यवस्था करनी पड़ी।सोनम पुंडीर को कर्णप्रयाग अस्पताल में भर्ती किया गया था। जांच में उनका हीमोग्लोबिन 5.6 मिला था। ऐसे में पति सतेंद्र पुंडीर ने रक्तदाताओं से संपर्क किया। अस्पताल में आवश्यक संसाधनों, पैथोलॉजिस्ट सहित ब्लड बैंक की कमी के कारण रक्त की व्यवस्था नहीं हो सकी। इसके बाद सतेंद्र ने अपने भाई नवीन को गोपेश्वर भेजा। वहां मोहित बिष्ट और प्रदीप भंडारी ने एबी पॉजिटिव रक्तदान कर सोनम की मदद की। सतेंद्र पुंडीर ने बताया कि चमोली में 10 महीने से स्थायी पैथोलॉजिस्ट की नियुक्ति नहीं हुई है। रक्त चढ़ाने से पहले जरूरी जांचों के लिए प्रशिक्षित कर्मिकों और संसाधनों की कमी है। वहीं भारतीय रेड क्रॉस शाखा सचिव सुरेंद्र रावत और शंकर बिष्ट ने रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र देकर धन्यवाद दिया।

महाविद्यालय में 300 छात्रों की हुई स्वास्थ्य जांच

कर्णप्रयाग। डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय रक्तचाप और रक्त समूह जांच शिविर आयोजित किया गया। इसमें लगभग 300 छात्र—छात्राओं ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। प्राचार्य प्रो. राम अवतार ने विद्यार्थियों को निरामित जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के सर्वोपेीण विकास के लिए आवश्यक करने की मांग की थी लेकिन सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने से अब 24 अक्टूबर को राज्य के सभी प्रारंभिक संवर्ग के शिक्षक अवकाश लेकर देहरादून परेड ग्राउंड से मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।

प्राथमिक शिक्षक 24 को घेरेंगे मुख्यमंत्री आवास

कर्णप्रयाग। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ ने शिक्षकों को टीईटी परीक्षा से मुक्ति देने तथा वर्ष 2005 के बाद नियुक्त सभी शिक्षकों और कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली की मांग की।

शिक्षक संघ के प्रांतीय तदर्थ समिति के अध्यक्ष दिगंबर सिंह नेगी ने बताया कि शिक्षक संघ ने कई बार मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से उनकी मांगों के निराकरण करने की मांग की थी लेकिन सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने से अब 24 अक्टूबर को राज्य के सभी प्रारंभिक संवर्ग के शिक्षक अवकाश लेकर देहरादून परेड ग्राउंड से मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।

ग्वाड़ गांव में चलाया सफाई अभियान

गोपेश्वर। चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ की डोली यात्रा को लेकर ग्वाड़ गांव की महिलाओं ने क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। महिला मंगल दल अध्यक्ष संतोषी कुंवर, ग्राम प्रधान गीता देवी, बिंदु देवी, कमला, नीलम आदि ने बताया कि रुद्रनाथ डोली यात्रा के पारंपरिक रस्तों के साथ ही प्राकृतिक पेयजल स्रोत की साफ—सफाई की गई।



सोने के साथ चांदी के वायदा भाव में भी मजबूती दर्ज की गई। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, टंड पर दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी 561 की बढ़त के साथ 2,08,899 प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई। इस कॉन्ट्रैक्ट में 3,125 लॉट का कारोबार होने की जानकारी सामने आई है।चांदी की बढ़ती कीमतों का असर चांदी के आभूषण खरीदने वालों के साथ—साथ सिक्के, बर्तन और निवेश के लिए चांदी लेने वाले ग्राहकों के बजट पर भी पड़ सकता है। औद्योगिक मांग, अंतरराष्ट्रीय बाजार की दिशा और निवेशकों की गतिविधियां चांदी की कीमतों को

कर्नल ने इंटर कॉलेज की एनसीसी यूनिट का किया निरीक्षण

उत्तरकाशी। राजकीय इंटर कॉलेज कवां एट हलौ की एनसीसी यूनिट का एनसीसी सीओ कर्नल रहलुल चौहान ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कैडेट्स के प्रशिक्षण, अनुशासन, ड्रिल और टर्नआउट का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कैडेट्स ने निर्धारित गतिविधियों में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कर्नल चौहान ने उनकी वर्दी, ड्रिल, अनुशासन और प्रशिक्षण का बारीकी से निरीक्षण किया। कैडेट्स को संबोधित करते हुए कर्नल रहलुल चौहान ने कहा कि एनसीसी केवल सैन्य प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है। बल्कि यह युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, देशभक्ति और समाजसेवा की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

संगम के पास भागीरथी नदी में कूदी महिला, तलाश जारी



देवप्रयाग में संगम के पास एक महिला ने भागीरथी नदी में छलांग लगा दी। महिला को नदी में बहात देख संगम पर तैनात जल पुलिस के जवान राणा ने तुरंत अपनी जान जोखिम में डालकर गंगा नदी में छलांग लगा

दी, लेकिन तेज बहाव के कारण वह करीब 100 मीटर आगे जाकर ओझल हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरफ की टीमों ने नदी के दोनों छोरों पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। संगम पर पूजा कराने आए लोगों का कहना है कि महिला करीब डेढ़ घंटे से वहीं बैठी हुई थी और अचानक उसने नदी में छलांग लगा दी। घटना के समय महिला ने अपने कंधे पर एक बैग भी लटका रखा था।

कोतवाल कृष्ण कांत ने बताया कि अभी तक कोतवाली में किसी भी व्यक्ति द्वारा महिला की गुमशुदगी दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस और रहत उल्ल महिला की तलाश में जुटे हुए हैं और सर्च अभियान लगातार जारी है।

नीरगढ़ बैड के पास दुर्गम ढलान पर मिला महाराष्ट्र के लापता पर्यटक का शव

देहरादून। तपोवन क्षेत्र में नीरगढ़ बैड के समीप सड़क से करीब 40 मीटर नीचे दुर्गम ढलान पर झाड़ुयों के बीच महाराष्ट्र से आए लापता पर्यटक का शव मिला। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रस्सियों और स्ट्रंचर की मदद से शव को सुरक्षित सड़क तक पहुंचाया। इसके बाद शव को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए तपोवन चौकी पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। परिजनों ने शव की पहचान कर ली है।

जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र से एक व्यक्ति अपने परिवार और मित्रों सहित कुल नौ सदस्यों के समूह के साथ ऋषिकेश घूमने आया था। इसी दौरान वह लापता हो गया था। परिजनों की ओर से 12 अक्तूबर 2026 को लक्ष्मणखूला थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी।



शुक्रवार को तपोवन चौकी से करीब 500 मीटर आगे नीरगढ़ बैड के पास सड़क से नीचे झाड़ुयों में एक व्यक्ति का शव दिखाई दिया। इसकी सूचना स्थानीय पुलिस के माध्यम से

अंकिता भंडारी हत्याकांड, न्याय की मांग को लेकर कांग्रेस की बाइक रैली



देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर शुक्रवार को देहरादून में कांग्रेस और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आईएसबीटी से घंटायर तक बाइक रैली निकाली, जबकि

प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी के संकेत अंतरराष्ट्रीय बाजार के उपलब्ध आंकड़ों में न्यूयॉर्क में सोना वायदा 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,138.72 डॉलर प्रति औंस और चांदी वायदा 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 55.89 डॉलर प्रति औंस पर दर्ज की गई।

वैश्विक बाजार में कीमतों की चाल का असर भारतीय बाजार पर भी पड़ सकता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय भाव के साथ—साथ रुपये और डॉलर की विनिमय दर, आयात लागत, सीमा शुल्क तथा घरेलू मांग भी भारत में सोने—चांदी के भाव को प्रभावित करती है।

खरीदारी से पहले इन बातों का रखें ध्यान

त्योहारी सीजन और शादी—विवाह के दौरान सोना—चांदी खरीदते समय ग्राहकों को कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए।

शुद्धता की जांच: सोने के आभूषण खरीदते समय हॉलमार्क और कैरेट की जानकारी अवश्य लें।

अंतिम कीमत पढ़ें: सोने के भाव के अलावा मेकिंग चार्ज, लागू रूल और अन्य शुल्क सहित कुल बिल की जानकारी लें।

चांदी की शुद्धता देखें: चांदी के आभूषण, सिक्के या बर्तन खरीदते समय उनकी शुद्धता और वजन की पुष्टि करें।

चमोली में पैदल मार्ग पर गूंजी नवजात की किलकारी

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले के जोशीमठ में एक गर्भवती महिला ने नृसिंह मंदिर जाने वाले पैदल मार्ग पर बच्चे को जन्म दे दिया। प्रसव पीड़ा बढ़ने पर स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य टीम मौके पर पहुंची और प्रसव के दौरान आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई। इसके बाद जच्चा और नवजात को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोशीमठ पहुंचाया गया। चिकित्सकों के अनुसार, दोनों की हालत ठीक है।

नेपाल से चार दिन पहले जोशीमठ पहुंची थी महिला

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नेपाली मूल की विजय लक्ष्मी गुरवार सुबह प्रसव के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोशीमठ पहुंची थी। चिकित्सकों ने उनकी जांच करने के बाद अस्पताल में भर्ती कर लिया था। बताया गया कि महिला के पास पूर्व की मेडिकल रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी। पुष्टताछ के दौरान उन्होंने बताया कि वह चार दिन पहले ही नेपाल से जोशीमठ आई थीं।

बच्चों के इलाज के लिए जाना पड़ रहा 100 किमी दूर

गोपेश्वर। जिला अस्पताल गोपेश्वर में पिछले चार माह से बाल रोग विशेषज्ञ का पद रिक्त चल रहा है। इससे बच्चों के इलाज के लिए पहुंच रहे परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि बच्चों के उपचार के लिए उन्हें करीब 100 किलोमीटर दूर बेस अस्पताल श्रीनगर जाना पड़ रहा है।

निर्माणिक कार्यकर्ता सत्येंद्र रावत ने बताया कि अगस्त में इस समस्या के संबंध में गढ़वाल आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया था। उस दौरान जल्द चिकित्सक की तैनाती का आश्वासन दिया गया लेकिन अब तक पद रिक्त है। नंदानगर निवासी प्रीति देवी, कुसुम और शकुंतला नेगी ने बताया कि वे अपने बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची लेकिन यहां उपचार नहीं मिल पाया। इसके बाद बेस अस्पताल श्रीनगर ले जाना पड़ा।

एसडीआरएफ को दी गई। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की बचाव टीम आवश्यक उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंची।

मौके पर पहुंचने के बाद बचाव दल ने सड़क से लगभग 40 मीटर नीचे खड़ी और दुर्गम ढलान पर झाड़ुयों के बीच पड़े शव का आकलन किया। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए टीम ने सुरक्षा के आवश्यक उपाय अपनाए और

रस्सियों की सहायता से बचाव अभियान शुरू किया। टीम ने रस्सियों और स्ट्रंचर की मदद से कड़ी मशकत के बाद शव को ढलान से उमर सड़क तक पहुंचाया।

अंकिता को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस का कैंडल मार्च



उत्तरकाशी। अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग और भाजपा नेता दुष्यंत गौतम को राज्यपाल नियुक्त किए जाने के विरोध में उत्तरकाशी, पुरोला, डुंडा और बड़कोट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकालकर प्रदर्शन किया। इस दौरान अंकिता को श्रद्धांजलि अर्पित कर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई गई।

जिला कांग्रेस कमटी उत्तरकाशी की ओर से शहर के हनुमान चौक पर कांग्रेसजनों ने कैंडल मार्च निकाला। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अंकिता के माता—पिता की न्याय की मांग और मामले में उठाए जा रहे सवालों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। वहीं, पुरोला में प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर कार्यकर्ताओं ने मुख्य बाजार से बस स्टैंड तक कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच कराने की मांग दोहराई गई। डुंडा बाजार में ब्लॉक कांग्रेस कमटी

अध्यक्ष एडवोकेट आनंद प्रकाश गौतम के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला गया। बड़कोट में भी न्याय की मांग उठाई। उत्तरकाशी में पूर्व ब्लॉक प्रमुख कनकपाल सिंह परमार, आनंद सिंह पंवार, विजेंद्र नौटियाल, शीशपाल पोखरियाल, पुरोला में नगर पालिका अध्यक्ष बिहारी लाल शाह, जिला अध्यक्ष दिनेश चौहान आदि ने भाग लिया।

मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और मां—बच्चे को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की।

चिकित्सकों की निगरानी में मां और नवजात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोशीमठ के प्रभारी डॉ. गौतम कुमार के अनुसार, प्रसव के बाद महिला और नवजात को अस्पताल में भर्ती कर उनकी देखभाल की जा रही है। चिकित्सकों ने दोनों की स्थिति ठीक बताई है।

समय पर मिली चिकित्सा सहायता पहाड़ी क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है। ऐसे में प्रसव पीड़ा के दौरान तत्काल सूचना देना और स्वास्थ्य टीम की मदद लेना मां और नवजात की सुरक्षा के लिए अहम होता है। जोशीमठ की इस घटना में स्थानीय लोगों की सूचना और स्वास्थ्य विभाग की तत्परता से दोनों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकी।

दो किमी सड़क के लिए दस साल से संघर्ष

अब ग्रामीण खुद जुटे बनाने में

रुद्रप्रयाग। जिले की ग्राम पंचायत चौड़ा—सिराई में सड़क की मांग पूरी नहीं होने पर ग्रामीणों ने शुक्रवार को श्रमदान कर चौड़ा—पालीगाड़—मुरचौड़ा मार्ग का निर्माण कार्य शुरू कर दिया। इस दौरान कार्य के बुजुर्ग, महिलाएं, युवा और बच्चे भी श्रमदान करने पहुंचे। करीब दो किलोमीटर मार्ग के लिए ग्रामीण पिछले दस वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं।

ग्राम प्रधान अजय पुंडीर ने कहा कि शासन—प्रशासन से बार—बार गुहार लगाने के बावजूद सड़क निर्माण की दिशा में ठोस पहल नहीं होने पर ग्रामीण एकजुट हुए और फावड़ा समेत कई औजार लेकर खुद सड़क निर्माण में जुट गए। ग्रामीण यशोधर

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, विकासखण्ड कोट, पौड़ी गढ़वाल।

पत्रांक 720/ लेखा-1/निविदा090/ सारा यो0 / अन्य/2026-27

दिनांक 16.10.2026

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

एतद्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड कोट, पौड़ी गढ़वाल में जिला योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु सरकारी/अर्धसरकारी विभागों में पंजीकृत अनुभवी फर्मों को दिनांक 31.10.2026 दिन (शुक्रवार) की सायं 03:00 बजे तक मुखरुद्ध लिफाफे में निविदये आमंत्रित की जाती है जो कि उसी दिन विकास खण्ड कार्यालय कोट में उपस्थित निविदादाताओं व उनके प्रतिनिधियों के समुख सायं 3--30 बजे चयनित गठित समिति के द्वारा खाली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 31.10.2026 सायं 4.00 बजे तक विक्रय की जायेगी।

क्र0 स0	कार्य का नाम/स्थल का पूर्ण विवरण सहित	निविदा धरोहर राशि	निविदा मूल्य 18%GST	कार्य पूर्ण किये जाने की अवधि	निविदा की वेधता
1	सारा योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मुखियाली में स्थिंग रिजुवनेशन कार्य।	20000.00	10000.00	04 माह	04 माह

निविदा एवं शर्तें—

1- निविदा प्रस्तुत करते समय टेकेंदर को पंजीकरण प्रमाण-पत्र एवं धरोहर धनराशि (राष्ट्रीयकृत बैंक की एफडी0अर0/ डाकघर की पासवुक / किसान विकास पत्र / राष्ट्रीय बचत पत्र / 100 रु0 का स्टायप पेपर, सहित जीके अधोहस्ताक्षरी के नाम बचक होगी, सलन कलन आवश्यक होगा।

2- निर्धारित अवधि के उपरान्त कोई निविदा प्राप्त नहीं की जायेगी।

3- समस्त कार्य निर्धारित मानकों एवं कनिष्ठ अभियन्ता के निदेशानुसार समयान्तरित पूर्ण करने होंगे।

4- लिफाफे पर कार्य का नाम लिखना अनिवार्य होगा।

5- निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 रु0 का उत्तरखण्ड राज्य से निर्गत नॉन- ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर, रु0 1.00 के रसीद टीकट के साथ हस्ताक्षरयुक्त होना अनिवार्य है।

6- शेष शर्तें निविदा प्रपत्र अनुसार के होंगी।

7- अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार है।

खण्ड विकास अधिकारी

विकासखण्ड कोट गढ़वाल।

(0489/21)

चहल बोले- तलाक के बाद शराब की लत लगी

पैनिक अटैक से चेहरा टेढ़ा हो जाता था, बोलना मुश्किल था; 26 दिन रिहैब सेंटर में रहा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शराब की लत, तलाक और पैनिक अटैक पर बात की। उन्होंने आकाश चोपड़ा के पॉडकास्ट में बताया कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनकी शराब की लत हद से ज्यादा बढ़ गई थी। वे 26 दिन रिहैब सेंटर में रहे थे। 36 साल के चहल ने बताया कि पैनिक अटैक के दौरान उनका चेहरा सिक्कुड़र टेढ़ा हो जाता था। इससे बोलना भी मुश्किल होता था। चहल 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच अगस्त 2023 में खेला था। उन्होंने 15 दिन पहले फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया था।चहल ने अगस्त 2023 में अपना पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था।

पैनिक अटैक में होंट कसकर एक तरफ खिंच जाते थे- चहल - चहल ने पैनिक अटैक के बारे में बताया, 'एजंयाटी में दिल की धड़कन तेज हो

जाती है और मेरा चेहरा सिक्कुड़ जाता था।' उन्होंने कहा, 'मैं बोल भी नहीं पाता था। मेरा होंट कसकर एक तरफ खिंच जाता था।चहल ने कहा कि इससे लोग

समझ जाते थे कि उनके साथ कुछ गलत है। उन्हें डर था कि सोशल मीडिया पर लोग कई तरह की बातें करेंगे। चहल ने कहा, 'मैंने सोचा कि आईपीएल पर ध्यान देते हैं।'

तलाक के बाद मानसिक स्थिति बिगड़ी- चहल - चोपड़ा ने पूछा कि शराब पीना कैसे और क्यों शुरू हुआ। चहल ने कहा, 'शुरुआत मैं में युवा था। पार्टियां होती थीं। मैंने 2011 में अपना

पहला आईपीएल खेला था।' एबी डिविलियर्स ने एक बार उनसे कहा था, जिंदगी में संतुलन जरूरी है। चहल ने कहा कि यह बात सुनने में आसान है, लेकिन अपनाना आसान नहीं होता।चहल ने कहा, 'तलाक के बाद चीजें हद से ज्यादा बढ़ गई थीं।



संक्षिप्त समाचार

चेतन शर्मा बोले- गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाएं बीसीसीआई गेंदबाजों को इतना मत मारो कि वे दोबारा मैदान पर न आना चाहें



नईदिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के पूर्व चीफ सिलेक्टर और क्रिकेटर चेतन शर्मा ने बीसीसीआई से गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों से बले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।' चेतन ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा- 'मैं मानता हूँ कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

गेंद और बले के बीच संतुलन जरूरी - चेतन ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में भी ऐसी पिचें होनी चाहिए, जिन पर गेंदबाज अटैकिंग बल्लेबाजों का मुकाबला कर सकें। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में गेंदबाजों की मददगार पिचों की तरह इंटरनेशनल में भी ऐसी पिचें तैयार करने पर जोर दिया।

ब्राजील के फुटबॉलर विनीसियस जूनियर पर 4 मैच का बैन

विरोधी खिलाड़ी के बाल खींचे थे, ब्रासिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे



मैड्रिड (एजेंसी)। रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर पर चार लीग मैचों का बैन लगा है। वे ब्रासिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे। यह मैच 26 अक्टूबर को स्पेनिश लीग ला-लीगा में खेला जाएगा। स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को विनीसियस पर 4 मैचों का प्रतिबंध लगाया है। ब्राजील के इस फुटबॉलर ने 11 अक्टूबर को मैच में विलारियल के नाथन सालिबा के बाल खींचे थे। हालांकि, विलारियल 1-0 से जीत गया। रेफरी ने गोल रद्द किया, रेड कार्ड भी दिखाया विनीसियस को बाल खींचने के लिए दो मैच और रेफरी से आक्रामक तरीके से विरोध करने के लिए दो मैचों का बैन मिला है। विलारियल के पिछले हफ्ते शनिवार को नाथन सालिबा के साथ दौड़ के समय बाढ़ खींचे थे। इस घटना के तुरंत बाद विनीसियस ने गोल किया था। हालांकि, रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया और उन्हें सीधे लाल कार्ड दिखाया। विनीसियस 18 अक्टूबर को सेंविया के खिलाफ घरेलू मैच और अगले हफ्ते ब्रासिलोना के दौरे पर नहीं खेलेंगे। वह रसिंग सांतादेर और वेलेसिया के खिलाफ अवे मैच भी मिस करेंगे।

एशियन पैरा गेम्स भारतीय पुरुष ब्लाइंड फुटबॉल टीम को दक्षिण कोरिया ने 2-0 से हराया

नागोया। (एजेंसी)। एशियन पैरा गेम्स में भारतीय पुरुष ब्लाइंड फुटबॉल टीम को अपने अभियान के पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को खेले गए प्रारंभिक दौर के इस मुकाबले में दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी जांग यंगजुन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। दक्षिण कोरिया की टीम ने मैच के दोनों हाफ में एक-एक गोल किया और भारतीय टीम को वापसी का मौका नहीं दिया। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में आगाज निराशाजनक रहा। भारतीय टीम अब शनिवार को मेजबान जापान के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। टीम की नजरें अगले मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत करने पर होंगी। इस प्रतियोगिता में भारत, जापान और दक्षिण कोरिया के अलावा चीन, ईरान तथा थाईलैंड की टीमें भी हिस्सा ले रही हैं।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 आज निर्णायक मुकाबले में भारत को करने होंगे 3 बड़े बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पांचवां और निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर 2026 को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज फिलहाल 2-2 से बराबर है। ऐसे में दोनों टीमों की नजरें आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होंगी।

हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने निर्णायक मुकाबले से पहले अपना आत्मविश्वास

मजबूत किया है। भारतीय टीम की कप्तान श्रेयस अय्यर के हाथों में है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। भारत ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी, लेकिन टी20 सीरीज में दोनों टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली है। अब सीरीज जीतने के लिए भारतीय टीम को अपनी रणनीति में कुछ अहम बदलाव करने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे तीन बदलाव, जिन पर टीम प्रबंधन विचार कर सकता है।

मध्य ओवरों में बल्लेबाजी की रफ्तार बढ़ानी होगी

पूरी सीरीज के दौरान भारतीय टीम को कई मोकों पर अच्छी शुरुआत मिली है, लेकिन मध्य ओवरों में रन गति बनाए रखने में परेशानी हुई है। शुरुआती ओवरों में बनाए गए दबाव को बड़े स्कोर में बदलने में टीम लगातार सफल नहीं रही है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड बल्लेबाजों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ऐसे में भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अधिक सकारात्मक रवैया अपनाना होगा। बल्लेबाजों को स्ट्राइक रोटेट करने, नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाने और ढीली गेंदों का फायदा उठाने पर ध्यान देना होगा। निर्णायक मुकाबले में मध्य ओवरों के दौरान रन गति में सुधार भारत की जीत की संभावनाओं को मजबूत कर सकता है।

सीरीज जीतने के लिए भारत को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज 2-2 से बराबर होने के कारण पांचवां मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम को जीत हासिल करने के लिए बल्लेबाजी में निरंतरता, मध्य ओवरों में बेहतर रन गति और गेंदबाजी में विविधताओं पर ध्यान देना होगा। कुलदीप यादव की संभावित वापसी और टीम की रणनीति में बदलाव निर्णायक मुकाबले को दिलचस्प बना सकते हैं। अब देखा होगा कि भारतीय टीम आखिरी मैच में किस संयोजन के साथ मैदान पर उतरती है और सीरीज अपने नाम करने में सफल होती है या नहीं।

संजय मांजरेकर बोले- पिच फ्लैट बनाएं, बाउंड्री छोटी करें

बॉलर्स के खिलाफ नियम सख्त करने की जरूरत, ताकि हर मैच में 300 रन बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। 'मुझे लगता है कि पिचों को और फ्लैट बनाने, बाउंड्री छोटी करने और गेंदबाजों के खिलाफ नियम और सख्त करने की गुंजाइश है, ताकि टी-20 में नियमित रूप से 20 ओवर में 300 रन बन सकें।' यह कहना है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म झू पोस्ट के जरिए कहा।

मांजरेकर की पोस्ट ऐसे समय आई है, जब फ्लैट भारतीय पिचों पर सवाल उठ रहे हैं। गीतम गंधीर, युजवेंद्र चहल जैसे कई दिग्गज क्रिकेटरों पिचों को बॉलिंग फेंडली बनाने की मांग कर रहे हैं।

एक दिन पहले चेतन शर्मा ने बॉलिंग पिचों की मांग की थी - एक दिन पहले

भारतीय टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा ने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बैटिंग पिचों से बले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।'

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में चेतन ने कहा- 'मैं मानता हूँ कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

गंधीर ने हफ्ते में 2 बार पिच पर सवाल

उठाए थे - 9 अक्टूबर को रात को रांची में दूसरे टी-20 के बाद गंधीर ने कहा था- फ्लैट पिचों पर गेंदबाजों के करियर दांव पर लगे हैं। सरफेस में बैट और बॉल के बीच बराबरी का मुकाबला होना जरूरी है।

मांजरेकर ने 37 टेस्ट में 2043 रन बनाए, स्पेशलाइज ट्रेनिंग देते हैं

संजय मांजरेकर भारतीय कमेंटेटर हैं, जोकि अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें तकनीकी रूप से मजबूत बैटिंग स्किल के लिए भी जाना जाता है। वे क्रिकेटरों को स्पेशलाइज ट्रेनिंग देते हैं। मांजरेकर 37 मैचों के टेस्ट करियर में 2043 रन बनाए। इसमें 4 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 74 वनडे मैचों में 1994 रन बनाए। इस फॉर्मेट में संजय के नाम एक शतक है।

3 अक्टूबर को गुवाहाटी में दूसरे वनडे के बाद गंधीर ने कहा था कि यह क्रिकेट नहीं था, सिर्फ बल्लेबाजी थी। उस मुकाबले में भारत ने 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इस मुकाबले में 811 रन बने थे।



भुवनेश्वर 4 साल बाद आज टी-20 खेल सकते हैं, अर्शदीप की चोट के कारण टीम में शामिल

तेज गेंदबाजों को अपनी रणनीति में लानी होंगी विविधताएं

सीरीज में भारतीय तेज गेंदबाजों ने मुख्य रूप से अपनी गति और लाइन-लेंथ पर भरोसा किया है। हालांकि, बेंगलुरु जैसे बल्लेबाजी के अनुकूल मैदान पर केवल एक ही रणनीति के सहारे विपक्षी बल्लेबाजों को रोकना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में भारतीय गेंदबाजों को कटर, धीमी गेंदों और पिच पर अतिरिक्त उछाल हासिल करने वाली गेंदों का अधिक प्रभावी इस्तेमाल करना होगा। खासकर मध्य ओवरों और डेथ ओवरों में गति में बदलाव बल्लेबाजों की लय बिगाड़ सकता है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने से रोकने के लिए भारतीय गेंदबाजों को परिस्थितियों के अनुसार अपनी योजना बदलनी होगी। सही समय पर धीमी गेंदों का इस्तेमाल और सटीक यॉर्कर निर्णायक मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते हैं।



तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को बेंगलुरु में होने वाले पांचवें टी-20 मैच में खेल सकते हैं। अर्शदीप सिंह को कंधे में चोट लग गई है। इस वजह से भुवी को स्कॉड में शामिल किया गया है। भारत-वेस्टइंडीज सीरीज अभी 2-2 की बराबरी पर है। 136 साल के भुवनेश्वर को 22 अक्टूबर से शुरू हो रहे न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम में चुना गया था। लेकिन, अर्शदीप की चोट की वजह से अभी ही उनकी वापसी हो गई है। भुवनेश्वर ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2022 में खेला था।

अर्शदीप चौथे मैच में चोटिल हुए थे

अर्शदीप को बुधवार को हैदराबाद में खेले गए चौथे टी-20 के दौरान गेंदबाजी वाले कंधे पर चोट लगी थी। उनकी चोट को देखते हुए भुवनेश्वर को टीम में जगह दी गई है। अर्शदीप आखिरी मुकाबले में खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला मैच से पहले उनकी रिकवरी के आधार पर लिया जाएगा।

भारत में 15 साल बाद लौट सकती है एफ1 रेस

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर गूंज सकती है रफ्तार की आवाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में मोटरस्पोर्ट्स के प्रशंसकों के लिए एक बार फिर बड़ी उम्मीद जगी है। करीब 15 साल के लंबे अंतराल के बाद देश में फॉर्मूला-1 (एफ1)



रेस की वापसी की संभावनाएं तेज हो गई हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर दोबारा स्न1 रेस आयोजित करने को लेकर चर्चा चल रही है। अगर यह योजना सफल होती है, तो भारतीय फैंस को एक बार फिर दुनिया के सबसे तेज रेसिंग ड्राइवों को देश की धरती पर देखने का मौका मिल सकता है।

2028 में वापसी का लक्ष्य, सरकार ने तेज की तैयारी - रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में एफ1 की वापसी के लिए सरकार और

लक्ष्य सामने आया है। हालांकि, रेस की वापसी की अंतिम तारीख और आयोजन की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। अदानी ग्रुप और एफ1 मैनेजमेंट के बीच बातचीत - रिपोर्ट में अदानी ग्रुप और फॉर्मूला-1 मैनेजमेंट के बीच हालिया बातचीत का भी जिक्र है। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट को दोबारा रेस के लिए तैयार करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रमोटर,

2011 से 2013 तक भारत में हुई थी एफ1 रेस

भारत ने पहली बार 2011 में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फॉर्मूला-1 रेस की मेजबानी की थी। इसके बाद 2012 और 2013 में भी यहां ग्रांप्री का आयोजन हुआ। इन तीनों रेस में रेड बुल के दिग्गज ड्राइवर सेबेस्टियन वेटेल ने जीत दर्ज की थी। 2013 के बाद टेक्स विवाद, नियामकीय अड़चनों और वित्तीय समस्याओं के कारण भारत से स्न1 रेस का आयोजन बंद हो गया। अगर सरकार, संभावित प्रमोटर और एफ1 प्रबंधन के बीच सभी जरूरी मुद्दों पर सहमति बन जाती है, तो बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर की रेसिंग देखने का रास्ता खुल सकता है। इससे भारत में मोटरस्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलने के साथ पर्यटन और निवेश को भी फायदा हो सकता है। फिलहाल, फैंस को आधिकारिक घोषणा का इंतजार करना होगा।

सरकारी सहयोग, वित्तीय व्यवस्था और सर्किट के संचालन जैसे अहम पहलुओं पर काम करना होगा।

बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई

कहा- सवाल पूछिए, यह अनुशासनहीनता नहीं, सीखने की प्रोसेस



नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- 'समय के साथ खिलाड़ी अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं।'

बिंद्रा ने एथलीट्स को सवाल पूछते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने काम, कोच, तरीकों और सिस्टम पर सवाल उठाएं।

बिंद्रा ने कहा कि खिलाड़ियों का खुलकर बोलना जरूरी है। कुछ लोग इसे जिज्ञासु बना रहा। ऐसा इसलिए नहीं था कि मेरे मन में सम्मान की कमी थी। मैं समझना, सीखना और बेहतर होना चाहता था।'

अनुशासनहीनता और सीखने का फर्क

44 साल के बिंद्रा को भारत से निकले महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे ओलिंपिक चैंपियन होने के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप के पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट भी हैं। सक्रिय खेलों से विदा लेने के बाद बिंद्रा इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी की एथलीट्स कमीशन के वाइस-चेयर बने। उन्होंने इस पद पर आठ साल काम किया। उनका कार्यकाल इस साल की शुरुआत में खत्म हुआ।

मैंने अपने खेल करियर में कोचों से सवाल किए और विचारों को चुनौती दी। ऐसा अनादर के कारण नहीं, बल्कि समझने, सीखने और बेहतर होने के लिए किया।

मैंने अपने पूरे खेल करियर में कोचों से सवाल किए, विचारों को चुनौती दी और जिज्ञासु बना रहा। ऐसा इसलिए नहीं था कि मेरे मन में सम्मान की कमी थी। मैं समझना, सीखना और बेहतर होना चाहता था।'